पडघाभमघिवश्रुभ्रु पठगयिष्टडं विगतलं
गभयिहू उयडविष्टिडवेहृहेपमभ ङेम
भुकम्पुिकिरघत्रिडः भ्रहृघ पुडमकडभ
हुमेवहृड पञ्चकल्पेभभनतुदभङविवक्षि
डेभ्रहृघहुभ्रद्भडमडभ्रृपुभ्रभाघीघभल
कलपभंक्ष्मगपूव्रघेकघंपरिपडमः मक्ष
क्षिघः भस्लवंडिक्षिभायगहृणिकिरिविष्णु
विगिष्टहृः उम्नुडीरूमपिभष भाय णिहृडः
सुहुसुहु भङुडमीमडभ्रदेमायपः सुहुस्र
पिम्रीभद्रमिवपुष्ठडयः डेडुयमीयेस्रदवि
पुष्टिगीस्रुगीक्तुडः भठगवरतवाष्ठिपुकम
भ्रश्रुडतूपभङेभदेस्रवः डयृपसृभिहृरे
डकृहृष्ठिलुपपामयृभदढलहृभपुड्य
डि मीयडेभ्रेश्रुभिरभचंयघठिलखिडभि
डिष्टभः डयृठवङहृरेपभेस्रगक्ष्पश्रुडह्रू
पाङडेक्ष लागहृडि घःकम्रिहूघभाः डय्रे

हृरेगणिकिगिविषयेगइकम्रिविघभङडिघ
त्रघडि यभ्रृयभृगीमृस्रुकुपप्रघंडम्रृडभ्रृ
भदढलंपुघरहृवपभङढलहृुडडम्रृष
पुडिवहृकुभभ्रडेरपुडिवहूगीयहृङ नदिपु
खिडभपखिडभिडिहूघङ डभ्रुडं नेगठिक्त
भाभिभ्रिपुहृवघेगविहृडे श्रुलभपुपुणभ
भूङ्घडेभदडेठघघिडि पभपुडपदेव
पिभिवभपूश्रु पकवगपुभलेगमभ्रुस्रुडु
नवकूडः हलुडेमिवहृभवभ्रेपुडिपहृषक
हूप कग्लेगरगभ्रिनहृंगपिठवगघपिव
भहुक्षुडेभ्रवक्लेकिंठववकगडपिग भव
घपिहृभइघिडुलृपहृरभहृडेडि लागभृ
हृनवगडलगगभगपीडिडुभृहृरेगदूय
भ्रदृघिपकगीघहृभाप्र भ्रपिमग्नः भ्रम
गम्रुदिठिगडभाविष्णुवहृडुक्लेहेभाष्फिपग
डभभ्रदृहिडिगिडपुघेलगाउत्तुगवकंभपग

ङ्काक्षियमङ्गौल्वदिभ्रुठविङ्गैमधुङ्कठठे
ङेङेषमद्यमिवेश्रुवे ठेत्यमभमङ्गुङः भृदे
विह्नकले विमेधङः भृदेवङ्गुिकङ्गेद्दिघग
–उडिठविष्टडि लमहुङ्ग्लीवङ्गु ङुलीवङ्गु
ङङ्गधठेडवङ्कुडि नउअविमधङेठडि ली
वडमिडि लम्पुमभवभी ङङ्गपिङ्धिधुः ॥ २ ॥
नङ्गुनक्षियमवकर्वमिङ्गुवेडमश्रुदस्थवद
ः भुमष्टेडेडिमङ्कमभमिडमद ॥ मङ्गुङ्ग
र्भुङःमिङुक्षियकघमिडमडी ॥ पवेङ्गुप
लहेडडषहङ्कभुङ्कडे ॥ मुदेल्पभिम
घङ्गुङ्गुभुडेमेङेवंरकममङेपमभनपदि
विष्टिडमेवेमङ्कनभ किंडङृङ्गिमदडे
डमदककमेङिविस्रुभङ्गडमभंश्रुङमपिवन
भुङनलिपिजिवकमविसधडिभेवमंवेमघ
डे डमहुङ्गं विङ्कडमभरकेनविल्पीघजिडि
उविकवेकःवस्रःकिभ्रडमभ्रदिडि डङ॥

नभीटङ्गुःअंतभ्रुघेवीपिठडि घेमहुलमहेतु
–मट्टुलहङ्कनभीडिवपश्रिद्गठवडमे
डिभमभंन्हिविभन्नः क्षियमङ्गिमष्टडे घ
मुङ्गभमद्रद्यमेडिसीभिभनहमपडेः ५९
डिगद्दकलेपिमदंल्पडिभक्षियडि डे
नहुगीक्षियमङ्गिङ्गुनवकेवभुङःमिङ्कुभ्रुन
कम मेवडभुमङ्गुरःपदवकवलेम
गीनभपिमछवम–मदनङ्गुपमडीस्प
नङुदनङ्क्षिक भघपदेपि भम–हुई
क्षडेविधयः भमपनमगीनघिभदिहेन
वगड भुंभुडवङ्कनङ्कंगभघडि नमङ्ग
नभिदहुघठडीमडुदङ्कनहुं नमटुप
ङ्गेवधषठङठडठवेडङ्गुंठहेवपं
ठडिमघडमेवदभिटम्भुवपगिडि पङ्ग
नभपिभ्रुहेव पगडुकेवल भुपणडेदपेः
भमपिविमनिडिघवनहुविस्रःरभमि

सि कुं ड्ड म क्षि भे व प मी कि उ भ ह ॥ ॥
ड्डं म भि ड्ड डुं पं भे उ प वि ईं कि भ ड्ड व उ । म
घ पि ल ड्ड भे उ भू क ष भ ज प क म उ ॥ ॥ पा
ड्ड प व भे व प भ ड्ड प ज व भे उ ड्ड व प ड्ड व मी क
गे डि पू भ ड्ड वि प द ध ल डे भे ठ वि ष्ट डी डि उ इ
ड्ड व मी वि ह इ भ ड्ड उ ड्ड ड्डे उ ठ क ले व भ ड
दं ठ व वि मि ष्ठ पु वि म ध ड्ड भ व ल ष्ठ भ प ड्डं
वि मि ष्ठी ज वं भु ड्ड ल भ ड्ड भ ड वि ड्डं भ ड्ड प
डि ड्ड ड्ड भि ड्ड ठ व ड्ड डि ड्ड पि डि प ष व ठ
वे व वि भे ष्ठ ड्डं व ष्ठि वि भ ध वि भे ष्ठ ठ व डि
घे ल क घ ड्डि त भ ड्ड प्र क भे घे ल क व भ ड्डि भ
उ ड्डं ड्ड व प द व ड्ड ड्डे उ ड्ड भ पि ड्ड दि ड्ड प
क भ भि डि उ इ ड्ड घे व व ड्डु डि ड्ड पि क ड्ड व ड्डि
ड्डं व भ ड्ड घे वि इ घे क ड्डि ड्ड भ ड्ड क द क व
ठ व ल व ड्ड भे व ड्ड ड्ड उ ड्ड ड्ड ड्डं ड्डं म ड्डि गि ड्ड
व भ व भ डः ष घ व ड्ड प्र क भं ड्डं ड्डं उ दि प ड्ड भ ड्ड

५
७०

ड्डि व प्र क भः ड्ड प्र क भ ड्ड प वे भ ड्ड भ ड्डि प भ ड्ड
वि ड्ड ड्डि उः प्र क भि ड्ड व डि प ड्ड पि उ उ ड्ड
प्र क भ उ ड्ड ड्ड ड्ड भ व ड्ड प्र क भः ड्ड ड्ड व
ड्ड ड्ड उ । १ । ड्ड ड्ड भ वि ड्ड ड्ड प्र क भे ठ
व डी डि भ ड्ड भ उ भ भ ड्डे ॥ ॥ ड्ड व ड्ड ड्ड घ
ष ड्ड पं ठ ड्डि व ड्डि भु ष ड्डः घे उ ड्ड भ ॥ ॥ उ
ह उ व ड्ड ड्ड ल व भी ड्ड पि ड्ड व ह ड्डः उ ड्ड ड्ड ड्ड
क भ उ ड्डे उ व ड्ड भ ड्डः उ ड्ड ड्ड ड्डं ड्ड पं भ वं
पु डि उ घ ड्ड प भ ड्ड उ व ड्डं भि ड्ड डि वे डि भ व
ड्ड भ ड्ड व ल ड्ड ड्ड उ ड्ड ड्ड ड्ड उ ड्ड ड्ड प नि प
डि उ भे ध ल व दि घे ध ड्ड उ ड्ड व भ ड्ड ड्ड वं
ठ भ भु ड्ड ड्ड उ ड्ड ड्ड पि क ष भ ड्ड प्र क भः ड्डि
डि ड्डं उ ड्ड ड्ड ड्ड ड्डे भि जः पु डि वि ड्ड ड्डे पि भ ड्ड भ
डि उ ड्ड ड्ड ड्ड भ ड्ड पू ठ ड्ड ड्ड डि वि ड्डि प ठ ड्डी
ड्डं उ भ भ ड्ड ड्ड ड्डि उ ड्ड ड्ड क ल ड्ड डि वि ड्ड ड्डि
व ड्डि उ भ ठ गे भ ड्ड ड्डे उ भ भि प भ ड्ड ड्डि ड्डि

उपमभक्ष्मभा॥ ७ ॥ मइकमिकधियधत्रिभ
ण॥ ॥ भ्रडित्रैवकवंडवम्हुडेम्नगभ्रिडिः
कथभा॥ प्रचान्तठवभंभ्कुरापेढ्मकिमित्री
धुडे॥ ॥ मुन्नहुडम्पुन्तठवप्कमिडम्रविध
घप्रुमेधेप्रुदरभुधैवप्कमरेघडा(एडङ्ग)
डेम्रीघंडुपंडथप्कमरठवेविभ्पटेडड
भं किंमइनुवभट्टुङ्कमिंपुएडि, रडड
घरुःश्रीक्रिघडेडम्प्रकमरडङडिडय
झेनवभ्रुपिडाणव, प्कमराद्दफिइवभ्रु
घर डडम्नुभ्रा‴ठपठिलधे‴कथभग
विधघिद्दवपरः रपडपप्कमरेभंभ्कुरण
देनकिछिङ्कदे डछिभफ्रदंलकुमवलभ्रुडे
रमान्तठवेरविधयम्प्कम ड्डारभ्रइठि
णाधइनुःकिछिमपिभफ्रइभभ्रिभवध
विधघभम्ढमहूः॥ २ ॥ नन्नयिन्नवेघम्नुड
छिधयःभघडभुघाइवभीघडे डडिंमझ्म)

मुभन्नठवेरभ्राडेः डछिम्हुघेमभंभ्कुपरिगृ
दिइवभीघडेडडिकिभमृडेप्कमृडडिम्रे
न्नइत्रिड्ढं रप्कमृडडिमेहुनगपिविधघे
नभ्रढ्वुरणव नयेडि भफ्रइमिडिमघ्रगतुभ
इमिडिडध्रेडम्ढ्रन्नयितुभाप॥ ॥ इत्रिवे
मावभाघमृनलाढस्रियघभ्रिडिः डप
भ्राडेरहूप्वइत्रिविणम्प्रभंवेमरंमेप्क
मभारेनइत्रिडडइवैपगीइठवड घभुडइ
इवभीघडेभ्रुकतःभविपगीडडघभ्रुकावे
नघ्रडघेडिडइंमेइत्रिड भभंमिगलप‴:
नभ्रइ न्नयावइनुभ्रइडे डइभंऊष्रीक
मिडिवलध्रेवडइंमेलानइभमृमुघडं भ
एङ्कनम्प्रवपटे नमरलानेरविधघम्प्रकि
छिङ्कदंडडम्नुभविधघेइवपगेविलइडे॥
डडेलम्रुनिलिङ्गोपनिधुन्नझकिडिभ्रुडः
मथडडम्मेवभाघडुपंभ्रुभंवेमरंमंभ्राकांव

[illegible]

मपिनि विकल्पेन [illegible] विभज्य वि

[illegible] निर्विकल्पेन [illegible]

भ्रमूर्तेभ्यएघमिति मइथंमश्चेनप्रत्यक्षंवमप
द्वप्रर्णेडइत्रैविकल्पेप्स्मत्रस्प्रपषप्रत्यमत्र प
वत्रप्रभुतिकडत्रैप्सुमस्कु डडस्नुपगिमिद्य्स,
फत्रुघडप्तइप्तिपरमत्रः उप्सठवेविकल्पप्र
तिमीलिडहेपिठवद्भुघमजमपत्रेम्भणडम
विषयपदवमिडःकषमप्टवमघिठवेडसु
हृडप्समत्रंपरमभ्रमुमप्टम्नपजत्रुस्तुडमफम,
फम्ह्ठवम्पप्समवमडगिप्रमडगिविमृत्रुंम्र
कममेवपरमहप्रमिति विकल्पेपिरविण्त्र
रविर्तृरेणघडिरिणप्रस्त्रवमघेत्रुमभमवेड
मिह्पषगञ्चवमदस्त्रवमडगीति ध्रुडत्रैत्रुम्र
पिरिणद्भ्रत्पदत्रुमप्टेडहगः पत्रत्रमिडिरि
विकल्पकमनठवंरंडपलप्ल्पमैडड वि
कल्पभ्रहप्रेगपिन्नरप्रत्रुरत्रुरेपरभवे
ह्रघभेवहघः विकल्पघभ्रुकेभ्रदरप्रृदंपि
कल्पिडंमघभ्रडंमघेहदत्रुडुप्रैवविकल्प

२
५
२

प्रेरवह्मभड प्रडमवप्रह्मेभीविकल्पप्रुः म
त्रिविमेषभ्रुद्विमृत्रुमगीरइप्तिडिप्सत्रिडं
प्लुरभ्रहपेदरंमरिहर १ पवमिघ
डःप्रमेघप्रुघह्लंडप्सुपमंफत्रुमफ ड
प्रघप्सप्रडेप्सप्रुघंमडहभ्रमहपि गप्र
गप्सकडठित्रवज्रेठडःप्रमडगि डपि
डिडभ्रपजेप्रवेजप्रप्रमेघप्रुफेडठवेरेम
लीवत्रमिफप्रमघडि घडपवंभ्रजमत्रठव
प्रजप्रेवभ्रर त्रठेप्सेरवठमः भ्रडिम
त्रिस्नुपरमेस्नुरप्रैवडडप्समइपगिगिघ्रुडंड
त्रुमिडिःफभ्रडिरत्रठवंक्रेरीकरेडीइडं
मत्रठवस्नुस्त्रिणपरमत्रठेप्सडकप्सपिस्नु
भ्रपरभत्रप्रचकमत्रठप्रमभ्रमडिघइ,
भ्रठिमत्रिप्रणरडमघप्सप्रुडेडडि कप्सपि
प्सत्रठवगीघमेवप्रणरडघपरभ्रमडिघ
इठिमत्रुरेवमफमवप्रुपत्रिपडेज्ञत्रिघं

विष्णुभक्ति

[illegible]

२२

[illegible]

भूकम:

पीडेरणनिडः डेरवभदेकमभगीकडइद्यिवङ्
डेउङ्गिङ्गीलपीडयेङ्कदेभ्रूडभान्ववियदः म्रष
नीलकरभिंडङ्गुद्यि ५ङिविभ्रलङ्गङ्गीघविं
भ्रुंरठभन्दघङ्गभिडि म्रवठेन्दभुद्दिइङ्गोठेन्द
वन्दः डघकन्न्वद्यिवदेमिपवभुङ्गंरङ्गुअ
नीलद्यिणद्रुभेकइपड्डुइभद्धभिडिकवंठेन्दः
५कममगीम्भ्रूठेन्दङ डघङ्कडेमद्भूडन्द्मरेङ्ग
णिडेपिभंङ्गरेठलदेवमेवभ्रन्न्न्५मङ्गङडिङ्ग
यङ्गङ्गः भ्रदेडङ प्रङ्गपवभुकिभेरदेधेप
पन्दकेर५कमेरेडि म्रइन्द५कमभ्रूमिङ्गिरे
वरकमिड भ्रुङ्गनिद्यिनीलंघद्यिपीडंकिङ्गिम्रुड
ङ्गिंङ्ग्रेड म्रडन्ववगङ्गरुडेवद्भूइङ्गं पवभङ्गइ
भङ्गन्दः ५कमङ्गैवभङ्गभी णन्दः ५कमन्वमि
भ्रुङ्गः भ्रुपगङ्गठिभिडि डङ्गद्यि ५कमभुन्दठ
वइङ्गः ५कमम्रुभिकवंघद्यि ५कमडेवभन्भ्रू
वभः भेवपन्भ्रूइद्यिविम्रवभः ५कमः भिङ्गः

३ पकद्दैव५कमभ्रैवेङ्गडइमङ्गभकदक
न्न्ठवद्यिविमिङ्गुवैम्रुङ्ग५५न्द्मरभभङ्गङ
पमेम्रुदभिइडवइदवभघयिडइं डम्रैवंपद
वङ्गडि घद्यि ५कमभ्रूविमिङ्गठवेदङ्गुवभपङ्ग
डं डइ ५कमभ्रूविमिङ्गभ्रूङ्गमेन्न्न्विमिङ्गङक
वन्न्५ङिविभ्रुङ्गकं डङ्गडिमिभ्रुमणडीघंघडन्दे
वनीलद्यिङ्गपंवङ्गं डम्रुघङ्ग५नभेंडघपीडं
नीलभिडि५इदेन्न्भ्रवभघन्दभ्रवभघ५न्न्
डङ्गम्रु५भन्न्भिङः ५इदङ्गपन्देम्रुंठविभ्रूडि
वङ्गङ्गवद्यिकविडभिडिदेङ्गुवभङ्गभीघभपं
वङ्गङ्गङ्गपभम्रङ्गभपडेरन्द्मघडि डङ्ग
न्दकङ्गिकठभेवङ्गमेमद्मभपयेड वङ्गठिव
भ्रूवेणभ्रूविमिङ्गठभदेङ्गुड ॥ वववभव५
वेणइविमिङ्गदेङ्गुडभिघड डभ्रूपिङ्गङ्गवेणभ्रू
वैमिङ्गकिंनिवङ्गवभ डन्दवेणभुवन्दठि
वः ५कमभइमेवङ्गभ्रूपभभङः ५कमपिकं

यिह्रुपह्वमिडिकिमपरकुर॰उत्रेष॰ह्वभितिउष
दिघभ्रुघ्येवंपूकुमघडियेव॰डिमम्ह्वहुतेउभ्र
ह्निवह्रेरत्रुपपडितेडिउवे॰मभुहुः । रत्नेव
भ्रठघषपिभम्हवरात्रुभरभिद्धिपडिडइकिंभ
ऊगपूडिविभ्रिउपएदिमुभ्रुत्रुतरहुरपूडिविभ्रि
उठभवैमिडूविहुरमद॰डिगिक्रेउआवर
हुठिभडेक्रेउंकल्दघेमकिंवघेगिम्ठभुत्रेरमं
विह्रुउत्रुभेवदेउठवेरहुयभडथ्यिघेमंमघि
कंवतुउ॰हमहुरहुऊत्रुभरभम्हवरंभुइ
हुवेरद   म्रत्रभरभररठउपुवेम्लैवेपुमि
ह्निघभ पुठउभेववीएघेरठभहुउवपुरः ॥
पुठभःपुररठभम्हुरुह्वभीक्षुषच्छर म्रुऊह्वैै
वउेरभ्रिमिहिुतुरहुवभरउः   रकेवलभर
तुरह्लिकाविह्निभ्रुठिडुउिठिःपूहुवे॰वहेऊर
ठभडेउयघेवदिपूहुदंघतीलंठउीडिभ्रपूक
मभेविम्हुइरणिकंकिह्निघिडि घवम्हत्रभरे

ग्रे
५
५०

रघिरभुवरुमुभिह्रिगिहुपिमहुःउइत्रभर
भइरैवपूवडिउभह्नदडेपूळउभपिरपूळउ
भिहुभघहएघिहेरघत्रुडे उइत्रभरंविक
ल्पुःभवह्म्रयेविकल्पेरठवम्भलउडिपूमि
मुंडेरघहुवषरठउपुवभररहुउभरंउइ
त्रुभरभत्रमिडिहुपागेविकल्पहुरैवकेरामि
हुघ्नेरेहुडे रत्ररहुदुडेठवउम्ठभुत्रुभरेभ
हुषेयेभभरहुडेम्ठभुउकिंवहुमि घषऊपल
हुःउह्निघत्रभरेउमृडेउइपिकिंविकल्पेर
घषभेऊःम्हुहुडेउषरभेवउडिह्निउिः वि
कल्पह्नरेह्निघदिकभऊंकेरामिभत्रिवेमह्न
रम्हुमडि म्रपिडकिह्निमुपलहुःकर॰मि
हभ्ररभुठवेरभमभुठवःकर॰डलद॰ः
पूहुदगठीउरुव उषमवीएघहुरभुतुहुः
पए॰डहुह्नकदकर॰ठवःपूहुहुत्रपलभ्र
रलेरउपविह्नुघःउइम पूहुदंपूहठभंपूभ

ॱेडिमभभः ग्रवघृक्रुदविसृज्ञितिडिक
ह्रेभभघेरमभ्रु घडिवमिडृ्यमुक्रडि
डःमिडिकद्युडमेडिफ्रवगेवएवंरङ्कमिड्
िडभ ०७ नचयव५कमे५कमस्नुेइ
ठयमपिश्रद्धति डडस्नु५कमडद्रेगाह
ञवैलरूटभमिडेभृडडङ्गिभञ्जेपिमश्रद्ध
नीडिडेचपिकषंवैलकंएलहलाहयेति
इमन्द्रद मिडिःपृटवभञ्नद्धपर
वञ्जुवमेखिड श्रुडङ्गुभेडक्रएडदेञ्चदंपर
भद्धरः मेडयडीहेदयमिडिस्त्रिडिक्ि
घडभृःपृटवभञः श्रुद्धमभक्लुगलदभ्रु
द्धश्रठवःडवडिभएचश्रद्धतिमभङ्गियड
श्रुफ्रचपएभ्रुडेचश्रफ्रनिडेचरकभ्रुडेन
पतिश्लिञडयाठभृडेडडेचमेहडङ्भ्रुडे
मैद्रोडश्चद्धटफमिडिभंरश्लेह्रेगेञ्जभवि
इडिघिगङ्गभङ्गियडेश्रद्धपरएभ्रुडेभुद्ध

५/५ नं

ह्रेव५कभृडङम्मिडिघःपतिक्लुफएडवरू
पघडङ्गिलदभ्रेठवेचनीलपीडभपपङ्ःप
डक्कुरुडफुभक्लुवठभघेगेरठभृडे डडस्नुेइ
ाम्रेहृडङ्हभृडे एवंमविभञःश्रद्धहृविभ
ञ्चेपिश्रद्धद्वमिहूभेडड विभञ्चेडिभवंभद
परभष्टद्धीकरेहृद्धरंमपगीकरेहृठयमेकी
ङुफडेएकीरूडङ्घमपिहएठवयडीहेवंश्रु
ठवःपृटवभञस्नुडुगठिलपद्धकमघाश्र
ठवःडस्नुमघरंभक्लेडविगपेद्धमेवविश्लिञ
मभक्कुगृकभङ्गुगपमिगेविद्धेमएभक
गपिभघोघभक्लेडकमचएविडक्कडं नी
लमिद्धमेङ्फिमिहयिपृटवभञाडुगठिडिङ्क
डवहुरुवदगवङ्गिविश्रुभठिलपडिपृटव
भञ्चेरेडिमपवक्रञ्डएवभश्रुरमेरमिद्भपड
घश्रुद्धविसृङ्गिवपधेखिडमडडमरभुमि
डविहरूमिहेवएडमेवपरभद्धेभिएश्र

घप्रकमेतन्नकछवनपपत्तुः ।वंयेमकल.
भदेत्रेपिडत्रिम ~घेगायिडिडडीपिरुपकद्दति
ड्रेडे डम्डुंे भदभउभदयेवीविश्नुलीवनभ.
मृडेडडि भगमिडिघपडमुंकेडयिघभेववभ
न्नमक्ति: गरुगदकांघड्रकमक्षंक्रपंड
भूटरकमवैलदलकेपिकेघभेवेडिमीभ
रमभेमपिनिक्रपिडं घन्नरभष्टलगडःभाम'
ज्ञिम लिनीपरेडि मैघेडिमक्तिप्रहरिछ्नय
ज्ञिडं क्रयघंरामप्रडिभुभ्नुरभमृडे डडम्नेत्रु
नीट लगङांमेडरंडभूपिप्रकमक्षवेडष्टपि
विभन्नमक्ति रिडिविन्नुष्टुपरभेपयेडिघुडेविम्
उत्त्रेयमेवरुमपयंविभन्नक्रपंपरभउम्नकेडद्द
डड्रठिणीघडे भवघ्नुदिभङ्गम्वरुयघंभउ
भ्रविभनाध्मविभनांमपरवक्कउ्रिभघं डडे
।वेङ्ग रडैविरठवेद्धुघ्रिराजेरपिमिडेजडि
मिडि डड्डवद्मभपन्नभछकठवमिट्रयिम

ग्रं
धू
५८

ड्रगभेघ डड्ठवद्धुद्ददिगिन्नपि रमेमिउत्रट
घेलेके घःमद्युरगभाम्भडे मनविङुमिवद्धुं
भवंमक्केरगभ्रडे वगृपडयेद्धुडुभेमवदे
भूमम्नुडी ररकमःप्रकमेडभादिप्रद्धवभ्रि
नीडि मेघभंभगिन्नंभद्धवदिगउद्भुवडडे य
मड्डुडे विभंद्धिघंमभृडेकभुज्रमभृवयिट्रयिम,
डयेडेनविम्नोडेडरिचदिडेवेम्मेरप्टष्टवभ
घपेदुप्रकमघ्न प्रभफंवयद्धिरुपगडप्रघ
।वघभज्ञेठिलपघ्नकट्रयष्टवभाघम्नेडि
०२ रत्नभद्धमक्तिमे~मिठिडवप्रषिपर
भमिवेविभन्नमक्तिवेघभिज्रक्काभठिषिम्रु
डेकभ्नयिट्रमद्धुदु   उुभ्नरभडाव
घंद्धुघीज्रदरुघंक्रुडि द्धुघेरडडयेम्नाए
त्रुकेडभुघुडड्डड ॥ भ्रडडुभज्ञभद्धघांभ्राड
त्रुमद्धुघम्नः प्रज्रगीमाधिभक्कलैडिम्नयट
वगरघेड   भवःमज्ञीःकद्धुवमक्तिवे

भभ्रूपेविकल्डडृष्मिमङ्क्षेरछिणीघभारःभ
डुङवभाघमिङ्मूपिपमङिपेडु ̄ ̄मेवेडेवंडु
डेभुलपरामन्नेविम्भुडिम्नुहघउडःपूडीडेत
ङवेघुःङभुमङपि पङ्दडुंङवडिपारामन्नेरम
विम्डिभृंडमुपदडिकभेवपरमजिकं ड
मुजभिडेवंडपभेव भष्टविम्डिपमंडपङ्कुं
कृभुलभृीघंपभगभनेडञ्पेङघभभुड
भमृडउडिकिविरेणः मनेरनीलपेरपीमंनील
मिडिमष्टपरामन्नेपि भुलपरामन्नेडुमिडेवबि
मुडुरङ्भमघङमपपम्मिडभेवरीलभदंवेभ्रुः
दंभूकमेःडिजीघडडुं घवेडुभिम्मिह्भ्रेड
मि भुरुभुनील मिडिविमन्नदेवजरिघमिपरि
डेधडिभारीरीलमेःभुडडुनिम्हडुवभकुंभु
डुमिडुडकुलपरामन्नविम्डिभडुरे ̄ ̄पूडीडि
पमिभमभुिमजशिघंमभुडेपिरडिमहृडङ
डिडमृनिमिङ्वरङ्किडमुडङ्रभजभा ७१

७५
६०

नञेवंविभ्रूपरामन्नरामदमिडेववविमुडुकूपरा
मन्नविम्डिरेवडडुं डङ्कघमिदभमूडेङ्भुरम्भु
ङ्मिक मभृमङ्घडङ्डिङ्गरभृनिलघमेमघ
मिडेमनीलमीरंवैमिडुमिडभकुघंपरिज
रम्द मघमकुविडेःभेवछिन्नमंवेडु
गेमरः कविङ्कुरभकुल्द पूवभाघमिरम
डिः घडपघन्नमवडमरंभघेङ्गुङडङ्मु
डिवंपूकभङ्कुचभवडभलडंभघ डङमिडु
डुश्रेवभ्रुडडुभघमकुिःडघडिवंघभ्रवेडुं
मडमुडिङडमु भघमकुडिन्नेरपूमडरडेर
डेवेडु मुकरा ̄ ̄वने ̄ ̄घङ्केवेडुंभारवगेम
नेविभ्रूडिपदंघभृमृमीभेवरङवभमः
मुमिडिःपरवङ्घपकुन्नमिडिभकुलडङ्द्व
भघडडिमिपुडे मुडिरुक्रू ङुंमंघःम्भडि
मिङ्घि डघरडिघमिङ्घिघे ̄ ̄भुरङ्गरडिजर
डेङ्जविधये ̄ ̄भुडेरमनिघडिडंभंविङङुड

४
८०

तथा भक्त्यास्थिलप्रकृत्यापि विविधयः तथापि वि

स्तुतं तदृक्कभवनमित्र्ये मद्यन्ते विषयभू

यि विभज्ञ भयद्व्यस्थिल पम यद्वे ववभुतः मै

मिश्रद्वभ्यापि यस्थिरपाभज्ञ भयीतद्रूपं वि

कल्पद्भक प्रभास्थापार वल्ल भाद्म्भवः मपथ

पाभज्ञानव भ्याराम्य रभूत तपविषयाप्तव

भायीदियस्थि विकल्प तस्थियाक्लिभट्ट्वयि

तुभंकरेन्यरौमित्रं राभष्टयिति तद्वैभृतुः

पराभज्ञः भकलेरयामध्यपृभे मध्यं दि

भद्रतैवभुवितश्यमरिपतमध्ये येल्नं क्षियते

तथाभिरलभूप्रातः पिल्लेभदलियः पराभने

दमिद्वविभक्तूरातदमिति विभक्ते मरावतद्वद्वे

रगोरतत्त्वाविति वामध्यम्भुपेप्टते मेप्रद्वभ

द्वभाद्मयीतवति तद्वेभूमारतः मुलोर तिव

लीवग्र तद्वेवभत्तमधितिभक्के ततन्नु उभ्यदप्रिभ

हड्ङ्गेप्रद्वभज्ञः मपिमध्यापयभा मधः तद

ं
५
६७

भद्रक्लिविभुतः पमृभीद्वैवं ख्ततविकल्पराह्र

परपदत्तुल्यविकल्पेदिप्रहृहृपारत ति

पतिपिनद्वते रमध्यपराभुक्तेतिद्वेस्त्रः तद्ध

ड्डपञ्चतेदिनः तवतुवज्ज्ञाभरद्यवस्वः भद

द्भुरः तद्वरस्थिविभज्ञः मवमुभेतजप्रभूषाय

यिरभृतजतेकतिभद्वेरानवम्भूवं भुति

मवलुद्ध तद्भूतं मभतुपभुकवं मघञ्चतिभत

भेवराम्बुद्वाराघेद्व मयेद्व तथादितम्भिद्वेमे

द्वनमामिद्भूमिधद्रूभाभद्भूतुद्धूरप्रपि

लरातुररभद्भूरंततिदद्वेमतुरम्भक्लिः त

वमूमिद्भूमिघद्वमिरभंवेलरविपेलरद्व

परभज्ञेरविरांतिभतद्वेमवम्ब्रिःकथंतवेत प

वंद्वरितद्भूभरवंमरप्तेभतुह्वं तद्वविभधतः मु

रकारद्भूम तयिपेगः मद्यपतः पश्चाद्वि

भुलविकल्पकल्पराभंवेद्वुतेतराभवद्वरित

द्वमितिभृज्ञेप्रद्वभज्ञेरभंवतितमध्ये तवा

मधेरठहलेव मंवड्डिडाडिमक्षठवरा प्रभारले
नविवह्नभाराभुलेविकल्पः घवेघभिहभूप्रभ
रा~उभएः भुङ्ला ङिडभूपिथक्षप्रेयरा कराः भु
ल्लोवएडिपत्रगु~ भभवायीहभिः एवुगडिभु
म्लुविडिपाणम्लुविभुङिडगडेभ्रुमज्ञिवमाम्लुडु
डडिड ०७ ठवहेवेभह्नेविभक्तः एकममगी
रवेमीघहडभुलहेनविकल्पड्डपडभ्लुएडह
मह्नेनील मिवमेवघघम्लभडेनीलमिघमिडि
मकघं एकमभ्रुडुघापघघम्लुङभुड मह्म
ह्मघविभक्तः भमपहभघह्नकेठमपघेपिएकं
मघवम्लुडेठवम्लिभिभुभुमेडह्लुघं एडिपडह
मिहमह्ल्प भेचिघमिहप्रवभारभठ
पाडिवेकि~ भवेममक्षिह्नवठभडेनह्रिम
त्रुघा केनैडहङ्कंभएडिघःभुलःमह्मः
मएकमलीविडभुठवेविभक्तःडमिपिभिभु
लःमह्मिजवह्मघम्लुडवठडि डेनभड्डपलह

ं
५
६२

~मिमह्लनवेकड्डपडघभेघमिहेवंड्डपहेनघ
हेनघरभमह्लप्रवभाघमक्षिहभाधामेघ्रम
क्षिविभक्तडपः ह्लवहेवाहमिहनवम्लिहहेनव
ठमेपाएडिभुङ्कनविभक्ततुः~ठह्नंडहमेव
मिहनवभ्य भ्लडेनीलभ्लएकमनमेवनभ्यह्मिभु
लठठवडड म्लड्लवावाविभक्तः एकमामवि
म्लिनावेडि घप्रवभेडि भुडह्लेघभनेडहएः
भ्रिघभा ३ नव्रेवंमवभ्रेवह्लाकलपभ्रु
हमिहेवएडिभुनेवह्लुङ्लमिन्हनेन मिवेह्लुडु
विमहेमकलघिगःनडुवेमकंनेभेमकलपिगा
ठवेमघपिइंह्लारांभ्रु मपहघमभहभइं
लह्लुडेडड्लुघंभुड ह्लभठवेमेकहभेववभुडेठ
वेडडडम्लुह्लनम्लहमिमक्षिठिभुम्लदाभेम्ल
नडिघपह्लंडह्लुघंचिचहमिहमह्लंममघपु
चेड्लभपमंदगडि केवलंडिनमंवेह्लुहे
मकलानगेठडः ह्लनम्लहवभाघमिमहमे

प्रतिष्ठभते महमेवमरूभमेवमंविडडूं
किंउभ्रमज्ञिवमज्ञिन्द्रेरठमिडरिघरिवेरू
रिडेधंभुद्रिकेव्यरुडेघिडुरभडुरवैडइवैडइ
घिडेमःक्रियठेव्यजडभ्रमिरमीभ्रहभध्रि
पःकलभुवनरूहस्कुघभइंउवलभुङ्ग
ध्दर्उहवभघर्ंभ्रुंमउवठाङ्गिरिंमरम
पिडङ्कभरंमडडभ्रमरुमइवठभःपरभ्द
रपेङ्घमयङ्गपिकलरुभरवच्द्रपेविङ्ग
वेधुठडिरङेमरुमःडघपिविभुच्छभूपवडे
मंवेव्यरंविडडमेवठव्यरमंवेव्यरंमभुङ्कूमिव
ठडीडिङेमरुमेपिव्यज्ञिडःडेरवेङ्घमडरुमश्री
कुरठमडुमडुमठमभरमपिरपरमक्रिक
मठमभरभुपरमफ्हडडभ्रघडभमंडूङ्ग
रघिभ्रठगवडःमङ्गपडडिमघमङ्गूविठिगि
डिङ्ग्नेकेमधुङ्कपवैमिडूङ्गरंव्यज्ञिडंम्रोरउ
डेमकलवैमिङ्कूमिडिविमेपडडिमिवं ३०

ध्रुपिडः ५३ डडिम्रीभव्यङ्हिवडुआविरमि
डघभीस्तुरस्हकिङ्कभुरविभज्ञिहंङ्कुनमाज्ञभि
डुपल्मंपङ्कमभक्रिकभ ५
भ्रुङ्घठेभरडवंभुपपेजरङ्कूडः क्रिव्यरूः
भेङ्कघमिडूडुपरुडेभुमःमिवभ पवं
भ्यडिमाज्ञिङ्कुरमज्ञिभ्रमिङ्कपिडभ्रघडव्यठघ
नगक्रिरूपेजरमाज्ञिविडहभ्रेकेकव्यमके
नफंरहवभभ्रेघःरकमङ्केदिरमिङ्कुभव
भुलीवडुडहडेरक्रिलीषडे डडभ्रेकेरहव
भभ्रेविकल्देविमेषउडिभुङ्कडे डडःभ्रे[illegible]
केनङ्गङ्कूरं रहवभभ्रेपिजरहरपरभङ्कवउ
भृडे डडःभुरुङ्कुवेवडरुपपडिगिडिभ्रेको
डडिपिङ्कुघेरभुङ्कुभ्रःरुपिहवमङ्घविकल्डङ्क
पडं डडःभ्रेकेरस्मङ्गरङ्घपिविकल्डड प
वेङ्कडरुभुङ्गरव्यडिङ्कपमेवपरमेभ्रुरभ्रुमभूडमि
डिङ्ग्नेकेर डडःरहडेमिव्यङ्कुहरुवठमभुं [illegible]

निषेधत्तु पक्षद्वयव्यधिकरणत्वविशिष्टक्लृप्ततदा विकल्पद्व
यसिद्धेः धीत्वावच्छिन्नं तदभावप्रत्युक्तं धदेवाभि
कल्पत्वमिति प्रवेशस्तेकैवमुक्तप्रकल्पकद्वये प्र
त्युक्ते भ्रमेण त्वं विकल्पमुक्तं निमित्तमुत्त
विभज्य विकल्पत्वमिति कद्वये भवदन्त्या
नः मात्रेणापि प्रमाणेन स्वेपाद्युक्तः प्रकृ
त्वभज्ञानमुक्तद्वयप्रतीतिमुखभित्तिमवदनुमि
मतैः कथंभवन् तदनुभेदत्वा ७ नत्वेव
भवभित्तिपि प्रत्वभज्ञेन तदुक्तपक्षस्य भदन्त्रैः प्रति
योगिनि पदार्थीपि दे विकल्पद्वयपक्षकथं
मिथ्येनमयेनाव भिद्धंभावघयादि
हेतिवादवन्त्वदिघः मदेवद्भुवषप्रल्येक
ल्पितेनत्वभीवव ॥ प्रभवद्वेनादभितिवि
भज्ञेत्वपेक्षात्व विकल्पान्वभयाप्रतियोगि
वभतः भवभित्वभज्ञेत्वेण मुक्ते भ
यीपक्ष उद्भुदभुघः भविदद्वविश्व त्विवेविश्व

स्पक

स्पष्टकृतित्वविशिष्ट्रित्वा मसुप्रभुवेद्ववपं
मवीत्यादि उद्भुवेदं प्रत्वभज्ञे प्रतियोगीन
कस्विपदितत्व भतिवत्ति भदभिनापि प्रकम
भवद्वेन प्रतियोगिद्वेनापि प्रदद्यदि त्रुपदद्वत्वे
कथं उद्विकल्पद्वयप्तं मसुभुषुवेद्वयपेम
गीव्यवत्वभिद्वत्ववेद्व भेद्वस्त्वमवस्येनत्व
वविकल्पान्वेत्तिवाह्यः भवात्वमभुमितुद्वं
प्रकमभद्वत्वदिद्व भविप्रपदमुत्वय प्रप
गीतद्वत्विवेदपद्ववदभेववेदभिशीलत्व
देप्रमेये प्रभावेद्वत्विभानेन घेकंभुल उद्वयि
विभज्य भविकल्पान्व नद्भुसुद्व प्रत्वभज्ञेन
इं स्पद्वदेउ पगिस्विश्री घेवेदभिद्वत्वमिश्र प्र
तियोगी उत्तुकद्वैत्वैपात्रिदगस्वविकमुभु
भुयिवत्वभः भभाग्मल्लद्व्यः उभदृत्वभे
उत्विधेण नप्र तिदभिह्वभज्ञेयतः मपदेन्तु
लेनत्वमेनयपदयिगीति मसुप्रकमद्वपसुप्त

४
५
७८

ठेपियपमदंस्हयेङ्गिण मुङठवमस्ङुपम्रुङ
मङुरङ्कम मिवङ्कदमिङि मदमिव ङ्कनिमुद
मिदमिङिमुङुङ्गिण मुमुङुँदमुलङङियेदंमु
लेठवंमेदंङमेव लेपुवभविङ मापवदमि
ङमुङुपिङ्गिण ङङमुङुङिकिल्दङुपङमरङिपु
मेवेङुङ्क मुमुङुङ रठवङ्कपेविकल्दङ्मपपमि
ङंमुमुङुपिङ्गरमङुराङुकङयङमुरुङर
ङुङुमुमिदविकल्दङंमङ्केङङमुङङमेदंङ्पेद
पिङुमद कदमिङ्कवठमेवपवठम
दिपेलर मंङ्कुरङ्कुल्दरपेङुमपिठिरवठ
मिनि ठेदेङङमिवङुङे कदमिङ्कः कदमि
ङ्कवेरिपङमेमकल करवठमेपमुदेदमेङ्क
लदङुपमुङङपपवठमेरमनीमुङठमेर
पेलरपेदंवलःमापवङुपुवेङरमङुरं उ
ङिपुदउङङेठविरठमेरमदपेलरमु
विरेठविङ मीङिमपेलरमवकल्दाविक

ल्दापवरङमुङुःरङ्गमङ्गः मङ्येदमेविमेप
देङुङमपेरपङेठिरवठमिङङमेवमेद
ठेमुदरीमपविमुङ्किरं यदिदिङमुदेदमेःम
वङःपुलुङमविमुङ्कुदरीरङुंपङुरङमङुरम
दमिदमिङिविमप ङमिपंमदमिवङ्कः केरः
विकल्दमदङेरठदेङ पवङविमुङ्करपव
मेरमङ्किः ठिरेपिकषमरमङुरमिङिमेद
द मंङ्कुरङ्कुङ्गरवठवङ्कङवमरपवेठपमु
ङिवमपिङिपवङ पलेवलवलवममव
मङ्किः मुङ्किरङ्कुरमापपिङवङमुङ ङ्कुङेवेङङ
वेङङपेगङ मयमपिविकल्दापव पवंमप
वपेमदङिमपरमङुरपिविकल्दवंमङुङं
किंङेङमुरमङुरङ्कुमिपुदिङेरविङमङ्कि
रमिरङ्कुङिवङ्कीमुङङिङमंपरपदपमिमी
लरपुषमकल्दङ्कुपपङमङुपगमङ्गुरवः
१ रमठेदमीरं पवपवरमम्रवेमुङ पे

ज्ञविमृत्रिवमीध्रवञभुदु॰ मवंडभनुपल
भुदेमडधुयेवपुं ड्डज्ञथितुभठवेतुभेत्रु
ठवेप्रभठवडङेडनिवसुनियवपघकुभ
मंवेहू रितुभप्रुः कदका॰ डंगभधात्रि ड
घेकप्रभ ग्वेहुहपि विकल्पे प्रठवाडिरितुं
हुपयवप्रभ॰ भेव घमडप्रहृद्वपलभुर्स
ड:पञ्जकेनडनिपञ्जवञ्जुहेकमंविञ्जभनुवि
मूनुतिरुडनिउयैकीकुडनिप्रभङ्खुउत्रुय
हेट्टभपेहृ॰नडुप्पलपेएयिवञ्जुभुत्रुभ
मवेकमुठभः कदका॰ ठवावठभङडिन
किञ्जियनवठुभ २ नत्रप्रहृदुपलञ्छेद
हूडङञ्ज॰ रलयैकीकगिधुडि उऊडवदस्याभ
डिमप्रनुकुडङिरितुगेनहृप्रियडेभपिमवि
ञ्जनभनत्रयकुपेकपुभग्रभञ्जवंविनकघं
ष्टयिडिमनयाडि भ्याडेघेवञ्जुमंपिडिः
प्रभा॰ञ्जञ्जभञ्जवे प्रवात्रठवभञ्जवेभणंभे

गं ५ ११

वापामा उदाहृत्रुडेविषयः प्रकमडे
भ्याडेडङविषयञ्जभभ्याडिरत्रुडः प्रकमः
पुपिहभुभप्रशुम्वानठवः प्रकमः भमनठ
वेञ्जनकुपहेनञ्जघकुपहठवनञ्जानुगभे
मृपिडञ्जप्रकमः भमभ्याडिकलेयहुमंभुकें
यंप्रकमडंठवडवभेडघापिभ्याडिप्रकमे
नठवप्रकमडङहृहृठिनंघगलमिडिनक
मिञ्जुडिः भृड डभ्दयेडयेवभपपहुडे यये
वभ्याडिञ्जुमंवेयनंडयेवानठवञ्जुञ्जुमंवेयनं
नहुपरंञ्जुमंवेमनहुडिरितुंप्रहृभनुभानयि
कंवाडङनुभडेडञ्जुडवञ्जलहृप्रविञ्जिवभे
कंयञ्जुमंवेयनंडयेवप्रभञ्जडञ्जुमिडिमिञ्जुं
ञ्जहृङनठविडगिञ्जहुतुहेनेपपहुडङ्ञ्जय
ञ्जुयघभ्याहप्रभञ्जमिञ्जुः प्रवभञ्जु उद
नीडञ्जुमंवेयनैकीठवेनठञ्जुतुरे॰ डिविमे
षः ५ नत्रनठवाडिरितुंप्रगेभनुविकल्दः

र्द्धं प्रमेयमन्त्रविप्रमाद्य भ्रान्तेर्भ्रं निश्चिंततत्त्व
र्थं प्रमाणत्वं तत्र विवक्षुः प्रत्येकं प्रमाणं ति
प्रत्यक्षानुमानयोर्विकल्पेन यदि विशिष्टमित्यादि व
प्रमाणत्वं वाच्यं परः नीलादिविकल्पेन त
नापि स्ववाचकानुमाने प्रमाणं तु सत्त्वात्मव
तिरत्नेपि मद्वाक्यादि १ पदार्थकीर्तेमतभा
मङ्केतानुपपत्तेरिति विविक्तत्त्वलक्षणं
प्रत्यक्षमिति दृष्ट तदपेक्षितकल्पनां कृत
लक्षणं प्रमाणविद्व तत्प्रतीतिकल्पनं भ्रष्टं
मेविशुद्धस्थितं प्रमाणं तत्र सिद्धं सिद्धिरिति
तिसूचनात् तत्सिद्धेर्मानतुरीयकल्पनादृष्टस्वकृत
तद्दृष्टीतिरक्त तुपसृष्टं गतोपलक्षणात् प्रमाणं तु
वेद्यं तद्वेद्यं तद्यद्वस्तुवृत्तिकमेवेद्यादिदं प्र
माणं तद्वेद्यं तत्त्वे तत्र प्रत्यक्षमनुमानं त्वक्ष
नमिति मनुष्ययोगानुमानं भेदकिं प्रत्यक्षं
नमिति प्रमिथ्यं मेतत्र प्रत्यक्षं प्रमाणं तु मेवेद्यं मे

१
२
१७

तत्रोपलक्षणमनुवृत्तौ भवति पञ्चसूत्रं तत्रापाक
दृश्येयं मिथ्यामिति मेधा कथितं स्वतन्त्रं प्रमा
दृष्टेति १ पदार्थमप्रत्यक्षं स्वदृष्टवचनं प्रभुः
मिथ्या तत्त्वमपपाठयितुं दृष्टं तुमेव तत्त्वदृश्य
नैवेत्यपगति नैवं मनुष्यमलक्षणाद्विषु
तदृष्टं प्रत्यक्षत् तदुपलब्धि विशिष्टं स्थितं वे
प्रत्यक्षः येनोक्तं तु तत्त्वं भाग्यं नत
तद्विमेतद्दृष्टे तदुक्तत्वलक्षणं प्रत्यक्षं तितपद्भ
तत्त्वे दृष्टवचनतः कृपा मिति कृपा मिथ्या तिरे
क्षेपे तत्त्वे लक्षणेति तदुपलब्धि तत्त्वलक्षणः
पञ्चेषु दृष्टवचनः मिथ्यति यदृच्छा दृष्टेयमपि
उपलब्धिलक्षणं पुनरपि पिदिपभृतामिपि
मगमपः भूत्वगलदृष्टं वा मत्र पेयुक्तं
कथितं यदि भगीभा कल्पदृष्टतदेव कल्पनं भेभनि
वभुक्तं नदृष्टि प्रत्यक्षं तत्त्वेन निमित्तयत्नदृष्टं पितत्र
दृष्टान्त्वे दृष्टवचनः तत्त्वलेना पिमर्मानमयते

उइक्षुडलेभुलेकमयघभुवयभिद्रुघेडुभ्रुवे
भ्रुधिकः भद्मेभिडभ्रुलेकमयघभ्रुभमभ्रुव
यद्भुंद्रुमभ्रुयमधिविवित्रेमभ्रेरद्रुप॰॰ द्रु
रंडक्कुडभ्रुलेकदेवयद्भुपडंयपदठवक्कुप
डंउक्षुडलेभ०घडीडिमद्रेघमजः मकि
लिद्रुडिलिभ्रु॰ भ्रुडुम॰॰ भदद्यलिडिभु
द्रुमद्यकरूयभुभ्रुइमिभकलेभभ्रुवयभ
नभुनेवमद्मेकद्रुरमंभनि॰॰ भमभ्रुद्यडु
गंरिघेणडिनेद्रः मद्यः डि डद्रुद्रुमद्यठव
मपिभुद्रुडभडुमवविडभ्रुद्रुवमघडेरम
गद्रुभदमठवपिदडिमकरमंडिभिकिगद्रुः
कघीघंयभदमंमंवद्यघम॰ रेवमंवेद्रुः द्रु
कद्रुरमंभजघेद्रुवभुडुरभलभ्रुविरेभल
द्रुकर॰॰ भकलूनिम्रुघेभ्रीहेकडुरघः भ्रुमि
रभ्रुवडुडुज्रिघघरठवकलिदडभ्रुडदेवभ्रुंम
रमद्ररद्रुर॰॰ भ्रुकर॰॰ भकलूनिम्रुघः किमे

कद्रुरमंभजिडघेडिमेन्नडद्रुमठवपलिभ्रुदि
भ्रुयद्रेरउडुमिद्रिघणिभुंरभ्रुपमयद्रेवलद्रु
डे ०॰ नद्रेवमद्रुभ्रुभ्रुपिपिममद्रेद्रिघेए
द्रुवदरेहडिरके॰॰ उपिभ्रुभ्रुडिमद्रुलेकभ्रुद्रे
घघभदमद्रुभ्रुभद्रुद्रिमममद्रेरपिडुमेडदम
द्रुद पिमम्रः भ्रुदमलेकेभ्रुलेकद्रुडुरे
घघ॰ भदद्रेद्रुडलभ्रुडुद्रिघेद्रुः भमवघ
भुलेकभ्रुद्रेघद्रुपिपिममद्रुडिरिद्रुमे
द्रुभ्रुलेकेभ्रुपिममद्रेहेडवद्रिमडि डघ।
भ्रुद्रुपिममेरभ्रीहेडयमद्रुभभ्रुवभडुं भ्रुए
द्रुलेकभ्रुरमद्रेभ्रुमद्रुद्रेभदमविणिडइले
कभ्रुरपमद॰॰ उड्रभ्रुडद्रुभिद्रुडीयमइभए
भ्रीडिपिमयभुडद्रुद्रुठवेद्रुडलभद्रेभ्रुले
कमद्रेपिवठवद्रुडलभ्रुलेकभ्रुवडंनिविद्रु
डंभ्रुभ्रुडिद्रुडिमडद्रुलेकमद्रेडभ्रुमद्रुवद्रु
भ्रुद्रुडिरके॰॰ निघेणद्रेवदगः भवंद्रुपमद्रेर

यभुउउभुठभ भ्रूव उषजि लहउभ्रूगहे
ङ्घिघ४हद्ववलद्ध भठभतुगवैबभ्रितुम
भुवडभुद्रूीङ्कउभूभतुभभ क्षिउभूमडक्कलि
कंउत्र क्षि भ्रूपिउ४ कुत्रभेवत्रहूङ्घिघ४हद
ह्वभत्रभतुउउभ्द दऊवठभभूकेभ्रूयिदपि
विकल्देभ्रूभउघंभ्रुउपविमेवभ्रीउिभ्ठवा
नकउहृउजि विकल्दठविवभुगा भिंवेव ठ
विध्रत्रिभुवठवतुवउभ नभिभुवभ्रउीउवतु
विम्रतुव पउफूऊंठवउि नीलभिञ्चपभूभि
मञ्कलधभूदेहभ्दागभिकरंभिवेभ्भ्रीहूघ
नील ठभेभ भ्रुउपडेतुगणिक पवंपभ्रूभी
हेवंघः पीडयिभ्रुडेपंवरठभः भ्रूउद्वे घ
दठगवडभंघेद्रूतेविघेद्रुतेमडदघंभ्रू
इभ्रूदाञिहवदः नीलभिदठभहे द्वः
हउद्रहूठभतुवद्वबभ्रूडेपभूभीदठभ
हूभिभ्रू ७घंभ्रूदउहवदः पवंइकलि

ं
५

कह्ववदववैभिङ्कपपउिः पभेभ्रवभ्रुडपउुङ्क
ङेरभ्रदरठभ रंरङ्कडभ्रिभ्रूवङ्कभेरकेगमि
भूभिभ्रू ७उजि ३ नवुङत्रीलयिभ्रपपभ्रू
उघर्इवहूङ्घिघद्वपभेभिभापभ्धेउडमठ
वङ्कधंवभिङ्कभिदमङ्कद भापरिभ्रम
भिद्य यिदेडभ्रुयिभवभुभ्र भ्रवठभभ्रूभह्ववे
भ्रूडीउइउषक्षिउिः ॥ गथ्वभज्ञिदभनेउ
विकल्देनभापयिके उषक्षिउिभ्रुघेवभ्रूङ्क
लभेभ्रूपलद्द ७उ भापमङ्कुदरयिक
मडक्कल दःपेभ्रजिकभ्रू कदेमडभ्रूडेभ्र
ङीङेत्रगडेवघङ्कभूठभः भपवउषभ्रूडीडभि
दमरगडभिदभिदठभतु ७ घडेदभिभ्रूः
७ भ्रूरठवभीदठभभ्रूघडेहवङ्कभ्रूभुरवि
भूभनेभ्रपिडभूभतुभेरभ्रूकव भ्रिङ्किठ
वउियघ प्रवभङ्कद दभभ्रूर भापीदःपीउिभ
मलिडउत्रिभितुभभशीकेवेउि घपउविकल्दे

रउगिवमुरिगमभज्ञिपडिउउःपोःमृत्रविमिध
भापउडेुउज्ञेपरडिणरकरा॰ठमभजरवेमय
ठमभुउरत्नभिमृ॰उत्नउडेवेवन्धदजोरकेरा॰र
मृरतेुरउषेडिभाट्दमिहृदिकरक्लिडिव्रजीडि
भक्ष्टुंउमिडनेउउघउम्रुदीन्दुराइवठमभिपं
भापठभमृपलक्पन्हलेमुजीउपृद॰ठविमिध
पलद॰भः २ रत्रिपउकिमजुंठवडिवहहरु
पःभृरागपःभापमिकेउवेरजुलगिउम्रुभाप
मघःभाट्दमिहृत्नडिभरकेउवउडिउउम्रुवहु
हुडवेउक्लाहुउठवेमरउवेइजुंघुरउउमउम्व
रकेमिउउउम्रुकषभजुं मृउवठमभृपभउपंर
ज्ञपिविमेषउडिमउघमवठवमिइमझुद
षवठवववठभरंवहरुउेपणिदृदेउ र
झमउउउम्रेधभमउुर॰ठमउंभम उकुम
पभमुिभमक्ःपंरस्रिभमेडिपेठववठभमुठ
वठभमुउेधंरहरुइंरभङभमृउपंरठवजिदि

ं
५
२१

भापमिदृमृभुउपंवत्रमिडिवभघठडिभापमृ
दिभापभेवमृठुपंकेवलंवहुइंरभठमउुगमी
ज्ञरे॰भृउडूरलभेवघगउउभापठभेमिमृउप
ठभृउेउमठमृउेउमउउमृेपणिक्रुमउभमगज्ञ
कडंविमेघ॰उंगमक्लडिउउम्रुघषमीलठभठ
वेपिउदलठभमृतकिडिज्ञुइंमुठपउेरलठ
भठवेवमकघठभमृउवहरुइवठभठवेपि
भापठभमृदःपठवठभमृकउुठभमृमर
भ्रुठपउःकमरज्ञरउेडिप्रुउर॰ठभदेवक्लिडि
धभः ४ उदरुकर॰वम्रुिदद॰उत्रगिल
मीरभवठभःरामउुरइभमृमुउःकर॰भटे
ठवरुउ वहरुइभपिगृहुउमुपं ५ भउविमेक्तुये
रवठभउ वहरुइंमकेवलंवहरुरहवरु भर
मवभुम्रुपेटजक्षिप भभीजुवत्रेव भउडेक्लुरं
भ्रुविधपंयहुःरभमउउमक्लुलव॰भउुरहं
उउभीकम्दुवकमिमजक्षिपंविमणीरत्रिदृम

इक्कल्दिकनाभपिगदिडवेपनभेम्रुनेक्कैघदेउ
गिउभिड्रुतुः ७ म्रपुना्पविउभेहंभदेम्रदं
मनिनाभघडि उपैडेनविनाम्रुइंविदंले
कपद्रुडिः ५कमेहाउपेकइंभउकःभःउभिक्कि
उभ ॥ भाम्वविभ्भमडेनपिघउनभदेम्रनः
विभज्ञाम्वपेवभ्रुमडुञ्ञनाड्रिघेघडः घपे
उडुवेडेनगडेनेपिपभिडंउपिडिउभ्भपेडुडेःभंवि
यंञ्ञुन्नाभेडेनविनालिकपद्रुडिलेकभजःभवे
हवदनेनभञ्छवेउ भञ्छवडिमघंउभ्भपैडेन
भं नपैउञ्छुद्दंघडेविवघ५कमाम्वभंविड
मृडेकेवलंविवघेपनगभदिभ्रगदिम्रापड
घनील५कमेहःपीउ५कमञ्ञहःपनभञड
भुपकमभ्रुपेमकलाकनभक्किमवेकल्हुपेक
डुभेवेहेकाम्व५कमेतुविमुउःभाम्वभन५भउ,
मृडेडुडिक्किडभिभ्रनीभपपडिउः नमाभ्रुभेप
कमलहु॰॰॰ःभ्रु इनीलह्रुपनगाम्रुपनभञन

मुडुम्वभुभ्भपिकभेभनिवि,,पिउभपेववि भ
मुभनडुपडडिविभ्भमह्रुपडुभनवाक्किञविभञड
नहेम्रापडुभनपैकपनडुभेवभ्रुभदेम्रदंभाम्व
ह्रुदंठवझ्रविभज्ञःउेम्वपेवभ्रुञ्ञीडपिभघभ्रुड
पनभजिहेञ्जनाड्रिघे ५कमझपडञ्जनंडेरवभ्र
उडुञ्छविभज्ञःड्रिघ विभञम्रुाञुःडड५कमडडि
विभञाम्वपनवभ्रुघंञ्ञनड्रिघेपनपनवभ्रुघं
उठगवझ्रमिवहुवीभुञुभभनाठिकनहुपञ
दनुभ्रुठवेम्रपनवभ्रुघंभ्भभघपपेडदंठवप
ठञ्डेनवडुभम्वडडिविमेधः भवधडविभञाम्वड्रु
नेडेनविनाठिणन्हठवेह्रुभ्रुभ्रपिडुडुंभाम्वभ
ड्रिघेडिडविनःड्रिघठिकम्भ्रुपढ्ढपकंकनेडीडि
मिवभ ०० म्रुपिडः ८८ ुडिभ्रीभघभ
दठिवगुभ्रुविनपिडघभीम्रुन५हठिञ्जुभ्रुइ
विभञ्जिहंभदेम्रुदनिडुप॰॰॰भम्रुभभाकिकभ
८ ञ्जनाठिकनःभभाभ्रुः ॥ ॥

पाङ्कअग्रविलभपेः उाप्वकलघडेप्गिनिष्ठुं
गभनपनाधिडैगिघडुघपगिनिष्ठुघडेपनिवडुकें
निवकाकंभपवग्रभुदग्रींभुठवविमेषभुष्ठु
डःपगभग्रःरुभोटूःकम्निडुभेनभरुभपवग्रकले
नट्टिभेकम्निधिडिम्बकगेठिव्रठिव्ररुभेघेटूः
घेगपरुभट्ठभघेरपरठभपेकृपरुभपव
मिगहिःपिणीगपिविडडट्टुङ्गवनघठभठेय
रुभङ्गपाप्वपाङ्गपाङ्गवड्रिगपिष्ठुण्ङ्गधिन
भदनीघभपिदेभघ्नगिघिदेवघडुठभमुवेमि
ड्डेठघडुरुभट्ठडेम्मिविभंगप्रुडीडि ७ रत्नेवंक
लेठवभुठवकुडम्वभुकभंकलमक्रिगिट्टन
ट्टुदा रुभेठेमुघेठेदे ट्ठभमघभङ्ग
डः मुठभमदभड्डुडुमिडुठभहुडःपुठेः
ङ्घड्ठवठेघभड्डघडिरुभङ्ककलःडग्रम्नुली
मडभुघठिवन्नठवमिडिठिवकलंठवेडङग्र
घरुठभभुभग्रवःष्ठुण्पुठपम्नुभ्रघभग्र

ॱ५
७

वड्डेवंकुडेघेठेमुठभभमुवहुभडुली
डभुडुडःरुभःकलङुडेमठभंरुवठवोव
हुदेडरुडविडिविभुदेपपधिडमिडिघाप्व
भेविडुठवभुरुभुभभमुकलद्मवठभवेमिडुी
मुलेपुःडःपुठविष्ठुगिडिभुभेविधिडभुङेठ
वडःभङ्गुडुगिनीलधीरठभपरठभवंम्निडुडघ
पनिघघठभघडिडघधिलिधिडठभंप्ठ
ठभमुवठभंग्रठठभंमभभपाणिकरदेव
प्ठठभेपठठभंमपघडुवठभोहुडुडहु
भठवेनमुद्वडिहिकभोठभेनुघडिमनहुमुं
घघः घदडुमनडठभंदेभडुठभोमभवघेव
मुडुभठभघडिदेभडुठभंभमघडठभोडघ
कलङुरुभडडिम्नुडीडिभेघमिङ्कुठभवेमि
डुग्रामक्रिठवडःकलमक्रिगिडुघडे २
मिडुठभरुडुभेवष्ठुणघडि भुडिवेमिडु
डेघेमरुभभरठभघडुभे क्रियावैमिडुनिडुः

क्लिपेडिमैइमेइपेगपिपमभीडिपैवउगिस्कुभेप
क्लिघ डघमणिमृघ ऽपिवक्रडमध्दनमधुडु
पिपमभीडिम्रविक्लिहुडेघउपमभीडीस्कुडु
पंडपेवडघमध्दम्र्द्रडघठडि डइउकक्षिडुम
भुडूडः मवभीस्रगभूपिमेठभेमृगभिपुस्ले
पूहवमठमभीहेवंडुपंघटिस्कुम्रकंविमत्रम
फभिहेडवम्रइडुंम्रडइकक्लिडुमः मडपेवमेपृ
डे पूभ्रडपूभेघवैमिड्रूभउन्नभइभ्रावहेनडप
इपिकक्लिडुमः घफ्लिस्कुडुपंपमभीडिभ्दव
गहृडुंकघपदउडंगडंक्रमउषिडभठाडिडघठ
गवपिस्कु पूभ्रडपूभेघठेभपदवमिडउडूभेप
क्लिपूठडिडद ॰॰॰उलभिववाविडडपूवफव्रमीम्र
दहूभभभक्लिपूं भइपकेवलंपद ॰॰॰भृडघेमु
गफ्लिपगभेस्रगभूडभफ्लिडडुठघघभृक्लिघम
क्लिःहृभडुपक्लिघगिम ॰॰॰भभठोहृभडुपक्लिघे
पगगघेगम्लेहेवंपेमहूमेपिवश्वुंडइहृभृमिपु

७/५ ॥ं

क्लिनपृडेडैः ऽदफ्डक्लिघमक्लिरेवश्रीकुडेडिपि
फ्रुऽगुः मुहुगफ्रगउघेडि भ्रुडुपठेमैमहूभक
मि ऽक्लिघठेमेनमकलहूभभध्दम्रकेपेल
हिडेपिविस्रुडःस्कुहूपेःपूभउडेम्दिहेंसुघम्न
मवंमल्दे:पभध्दवंस्रुउम्नभठगवडवठधू
डे घडुपवठभवं भवंभिडउपिविम ॰॰॰मक्लिः
क्लिघमक्लिडकेवलंस्कुहूपेगेवक्लिघघडस्नुड
त्रिभ्दिडंस्रुमस्रुघक्लिघवैमिहूभभेविस्रवेडुः
नववडंडइंदिडम्भूवडि डडेपिडभूभक्लिघमक्लि
गडठभनविस्रुपठवडहूभठवेभुलमधूघ
हुभूभूठवेडूघ नपपडिमकुकिंह्वमभूक्लिघ
मक्लिरूपपवेडिभकुडिगिडिमिवभ ॥ ३ ॥ सुमि
डः ७१ डडिमीभमभदठिवघउपवि
मिडघभीस्रगपूहाहिस्रुभुइविभक्लिडंक्लिघणि
कुवेक्लिघमक्लिविडुप ॰॰॰ पूघभभभ्रिकभ
० विरेणभविरेणंमस्रेमुपैवपपफ

यतीभिडिभुठवठभेरतमः भुलडद्दाभिर्भिमू
डयनेकभिडिवद्रोद्धियवेद्गुडयंभुडीयडे डव
भुभिनभ्रुद्धभंभ्रुभेडेइडीदविभ्रुभेवडुतंभयेकं
डुयेवभनुचिपभिवद्विनडठयद्धियवेद्गुडुभिडिव
द्गुभ कदकर ठवडडुभुडंद्धियवेद्गुड
घभेकेंयेमहुठभभिमु डिडि नकडुभठ
भनुरभिमुडघनुके कवेद्गुडभिम्इय
भरेकडुंपनरठभनुरभिमुडघभठघक
वेद्गुडेपियडिरिङ्गडठभरेमेडिभ्दुपविधय
केयः डभेवभडघडभिडिपभभजवलमेवक
ग डकर वम्नुपमहरभजकभिवड भूघदूप
येमभइभेडडुक भकर मेडुदिडदिदयें
कभरेकभिडिदवदनभइं तीलंपीडभविक
ल्दकंभविकल्दकभिदपिमवंभघपयेद्गुव
दनभइभिडिभिवंभभनभेडड उभ्दयेकनेके
इभिरिणेवरणकभुयेडयेवकर जुंडइडिडेधु

वें
५
७७

द्धियभ्दिधुयघदुरंडइंडुयेकंडयेवेद्धियवेव्जी
घडंभूयमेम भिडेयघनेकडघडीडिभभुजुः
डइडिभइदेभिडेडघिवनकडुनेकडुविदयेनक
इभेवभनेकडुभेवभिडिधिलम ड नद्गवंविध
घठेयेदुपगभुभनेघमेकंपूडिठडंठवडिडम
नेकभनेकभूडिठभेभ नेकभूडिठडभिडिकव
भेकनेकडुपंवभुसुडउघदिवद्गुनेद्धिय
येडुविमिडुमेमकःपरगनदुडुघडेरडुनेकठभ
भिम्रीकनेवद्गोद्धियमभुविकल्दमदृपनः
भविदिडविधघवलेंदुडुवविमपरकडुमिडि
मः विकल्दरपिभनमेरडघडुडंवभुनेवभ्ध
भुडेडडिकघ णियवभुकनेकडुपंगद्गुडेड
डिपरद्गभेदविवद्दा घद डभुघल
भुगगडभरेतुदवभघिमड कविडिभडुइ
पनभयीःकभविकल्दनः उदद्गुभ
लघभ्रुडः भुइकल्दः भभेवेमभ्रुभूमडली

विकृतउउडिउयपयविउंपूक ममप्रुउतुउडिस्त्रपि
तिल्लीउं ममाविप्रुडुस्रठवःमिवङ्कुभायपदेउ
भङ्गमिउस्रुठवःपमुःउयमूभरःमवल्लुभावम
गेविकल्पक्कुभिकयांभ्कुएउल्लाभः पेङ्गिपिके
तिविकल्पकेभयमिवेस्रुरयमह्रुयपउस्रवि
कल्पवेणवद्रिकुउविभमह्रापारभुपस्रुम्भवि
नंह्रवभाघंतिस्रुयङ्कंविकल्पकमव्हुवभय
मङ्कवम्पंविरुणमतुःकरामेउङ्किघाभम्रुङ्गः
पिविकल्पक्रभ्दमयपउि उेमविकल्पभुस्रु
यभेकङ्गनेकङ्कुपभवलभुतुनपिविकल्पेभ्र
पूडिठभभानभवभुउपिडिक्कुंउं पूकमउवव
भुङ्गभिडि नमविकल्पभूपूकमङ्कुपउभङ्कुरप
॥ ह्रवभाघाठिभानूपिरभणेघंह्रुपरातुरं
घुङ्कं उउेरुक्कंरह्रुभारपयतुीङ्गपिवमेवभुङ्कु
हंउस्रेउस्रुङ्कं ङ्गतिङ्गेमवभाघम्हेउह मषङ्कु
यङ्गनेयमिक्षिस्रुयङ्कुेनपूकमनीघंस्रुलह॥

उङ्कंवविकल्पःभामेपिडि ठवेह्रवंयपिविक
ल्पेरभस्रुउङ्किठवेउ यवउपूभउुरमेह्रुपयः
पूभउुमपुचनठवरतुःभूभंवेयरङ्कुपःउमपू
मायमेवपुचनठवभंक्कुरयिस्रिकल्पनह्रुपया
कलेपिपुचानठवभ्कवभरङ्कुानेवभुउउःपुव
नठवेयवस्रुलह॥ पूकमरम्मउवङ्कुवनठव
उमङ्कुपनपूभमउङ्कुह्रापानेपिविकल्पभुस्रि
धयापव पउापवभङ्कुभमपदे॥ पुवानठ
वभंङ्कुःपूभउुरयमेवभः यमपेपरकले
पिभपुचानठवःभ्रिउउडि उभ्रङ्गुभाउदेह्रप
नापकङ्गनेकङ्गभंघेरानङ्कुभापवपूह्रुउिदर
उमभीःङ्गिघापिकल्पनापकरेकवभुविध
घापउउडिगूप॥ कवङ्कुभुमिउभनास्वक
नेडीडिभ्रिउं यङ्कुप्पविकल्पेपिभभाह्राङ्कुवठ
भेप्पमेङ्गवृठभामिउषापिनउपभाभाह्रा
पिङ्कुएंभभाननपिरङ्कुकङ्गेभङ्कुङ्गिस्रुपेङ्कुवेव

नं
५
०..

भूगदिकयः कल्दग्भ्गकेवलंभष्ठुवमठुरु
दीठ्पउघाकनेकविधयाघवम्लदिन्पेकेति
भष्ठिवहुरुपहेरठिङ्मरवघवलहक्केकटेम
ड्वे‴भ्रीरुवडेभ०ङडिदिनिभ्रह्निवहुरेके
भरघ्मविडडरुपम्लहडीडि ५ ॥

कृयापिभव्रविधयःकरक॑॑भमह्रयः ममटः
वपिभम्ठवह्रयलभ्यदिगदिपीः कउक
॑कड्दिमह्रणग॑॑ग्रहं॑॑पेहिहंभमह्रवि
मष्हुडेघवभडुभेघभपगंभिषःभेउुलीनभ्र
भङ्ककृयाविमेधपगभक्नेकनिभिउकः नदि
पुभपगभक्रभडुवाडिंविदयवभुतःभहाप
ह्रयेद्भंवेष्हडेमनटइठवठ्रूपडनिभिउडइवि
धयाऋःकरकमङ्गीरभपियःभ्रगप्रयःभवरु
भेपिकृयपगभक्रनिभिउकःकभ्रुदिकवंग्रु
ष्ण॑॑मभङ्गीरंमकृयघभकंभहष्ठभ्रवउ
डीघंकृयेवठगवडीपडवह्निपभिठुंभभ्रव

भाविठवयाडिमभ्रदिडंपवंपाङुवेङइवेव
दिहिवउघपगभष्हभनपेठवयेवह्रवठेप
वकंठेद्वभक्रभष्टभठेप्रविमुंयघरूभ
भष्हेडउक्धिगिष्ठभ्रुडेभइदिडपेक्रणह्वघव
विमेषपगभक्रयगभ्रुङभ्रपह्वपगड्रापह्वपि
निम्रुघः भंपेगभंघुडुभंपेगल्दडयिपगिगर
क्रेपयेगीकलपगभक्रधुपुवपगयिठपह्वेल
भ्रभिइल्दडयिविभक्रक्रिगदिभृइयिठपह्वेम
पहुडिपमष्टपहीदिइमेउपहुडीइभ्रभ्ठ
विउभूभुक्ष्ष्भूभुषक्रूडपुवभृभ्रीघभंवेल्मप
क्रिउभ॑॑ग्रयिदिकृयपवुवभुष्लविमेपक्ष्मि
मनटेःपगभक्रउपघुडेपवंभक्षुपगिभ‴
पवहुभंपेगविठगभहृहिपभभ्रवठ्पडेपव
घुभवघघंभष्ठपः घइपमङठभष्ठविग्र
हुभहुषभपष्ठडघ्रुठभहुवपगभक्रविमुंडिभ
कठूडघभ्रुठपनिघुडइभभ्रुवठपडेवकृयाभ

ज्ञिविष्णुभवी उड्डपिडवत्तुर पेदय भम्बुत्तु
गभप्रभु घष भह्नुंभभवं यंभट्टुनयपवभ्रु
ठवत्तुपिधिघ पपुवपकलन भम्बुत्तवम्भुव नद्
उमभगुत्तुम भूविरा पुवभमुत्तुवठभेदाः क
मिट्टुनपुलेदृङिः मङ्गेड ॥ एवंभकलले
कपइत्तपुन्तिउकलदनलभमुत्तुवत्तुवीठवठ
वक्रियमज्ञिविष्णुभ्रुकभाठिणपडम्पुद्वेय
धेगे पुवभुमिडेरिक्तुपयिडुभाद एव
भेव ज्ञभिक्षिःप्रक्रउग्ज्ञक्रियज्ञिः डेमठेम
वडञेग उनशङिगेन्मी उदठवरंभ
उभमुत्तुः भट्टुमदपकइम्नवभुवेयह्मियिप
ड नज्ञक्रियवभुत्तुरइड नडङ्कुगिहुंभवमडम
देमयजनराङङ्कुदि मुज्ञक्रियपिभद्रर
ज्ञाभिडिउङ्कुगिहुभुम रहजनयलभ्रुकत्रय
हडिकेगभुप्रुरहजवेभडेप्रहजत्तपुभेर
ज्ञक्रियकान्येपहुइमुभइभइकेमविम्रुय

कलेम्रवण गिह्वड म्रज्ञक्रियकविडत्तुपदेय
लेमनवमुडिभवभुमभुभुकमभानइेनम
मुरघड्ड भुकमभभाउवत्तमुलभाउधिमि
डविभन्नपमिभद्रठवम्रुमट्टु भामठेमठेदव
यंभमुत्तुमीनभभिडिनिगमक्लभेवभइमेवडयं
डयपिघमिपेनगम्रीय मिदलेकः मुम्रदेन
ज्ञक्रिय मीडक्कु गिम्भिमइह्ववकवडिडक्किंभमुत्तु
मीनभभिडिडमभ्रुमघभम्रभुडे घमिनज्ञप
मिडक्कुवइवहवकवघइपिम्रुपभमुत्तुमिणी
ड्वेडिडइप्रवभेवडि भमुत्तुमिक्रुपडयठेमठे
मवत्तिज्ञभुवेवज्ञक्रिय नडधक्रुभइविमत्तुन
कमिप्रपिकपमिमभुज्ञक्रिय डयदि भाप
नमदभान्यरठिलयडहमिह्वभान्यभवेत्तव
जनःभापठभमुमेन हृङःभाववठिलमुडे
नहृनवहृङःभाववमघमिमुप्रडेउमठिल
धिउम्रपुमिडिउमुडे घमिमडउमेवडदिकि

ह्लेका२४मेघश्लुद्रुपमिङ्गिस्र४ह्लुभपीस्रगव ध्भव
लभ्नुभ्ग्उड्डिङ्गिकेरेपध्नृडे भमीपभवः ४भ
ड्ढलप्रमेघघि४विठगःभडि४ध्मिस्र्ढुप
४भडविडडेरउभ्नु४मेघडघेर्इपि४भ ह्र
पगभहुवः केवलंहववफ्गभइमिङ्गुफलं४भ
भइङिङ्गिकइघे ङिङ्घदङः घफ्डेंह्रिघभ
श्वङ्गध्मिवध्नुपेरुह्डिभ्रुठवडङिडध्देवत्रिलिडं
४भ ड्ढलश्नुडुंडवइमिङ्गुभवववफ्डि
ङध्मेडम्मगिइवंघड्नमश्नुवङिश्नुडे वभु४भ
डङ्कपिश्नुठभेठिनवध्मघः ॥ भेतुभुषपिभ
न्नङ्कध्मेमकलश्नुठेमिति रकठिणरविषधेभि
ङिवभुह्रवणिउ घभ्रुवमङ्कभञ्जश्नु
नीलभापमिकंह्रवङिश्नुडेनिघडं४कमभदंय
नङिवतुडे ङध्मिङिभुद्रुपें रङम्मगिङिम
विमेष ह्रुडनिह्निहह्मिणदतुवधेगरडङ्गे
केप्रभ मिङिभ्रिडं ङङ्गुविवेमकेरविमदं

उदवभुःश्नुङुपेश्नुङ्गवमेनैवडवह्रुवङिङुडेग
उङड भमनीलं४कमडेध्मेइह्रुवीडिधडध्कय
भवठभःडभ्रधह्रवमेरह्रवङिश्नुडे भ्रइपिभ
ङ्गुठभुध्मिधभडुनडुभ्रदभुध्नं डभ्रध्ह्रेभं
भविधङ्कभेपिघध्मिभुङ्गुनिविमेधेनउद्दिनील
ह्रैवह्रवभुफ्उठवङ्कीउध्मिवपिडभ्रउघह्रउड
ध्मेनीलिपरङ्गेनीलिम्लुपिनील४कमश्नुठवडह्र
ठभःभनीलभ्रह्रवभुपकःउभ्र४कमश्नुठवडे
वङिउश्नुवभुपकड भमनीलभ्र४कमेघह्रु
ह्रडिनिङ्गुभ्रउङ्गीडभ्रपिश्नुड ४कमभ्रकमिङ्गु
उध्मह्रुविमेधउडेह्रङिनिङ्गीरुउभ्रनीलभ्रभ
४कमःनीलंध्मेङ्गुंडडेह्रङिरेकठभघेह्रंघमि
भेह्रठभेभदडःप्रकमश्नुङिनिह्रडे भद४कम
ह्रङिरेकेडभ्रउडनीलध्मेह्रङिरेकठवरभङ्गुड
भद४कमश्नुनह्रङिरेकंकिङ्गिधपभदडेंङि
डंभद४कमेरभङ्किमश्नुङ्कनिनिङ्कभीयः

मेविमेवभुर्यमत्तुेहुमक्कैमप्ल्यिवान्ङ्जठपेमे
स्तुहृड्डमृडे मक्कैमवठभाम्बमभाधीघपूभ
उन्ङ्गंभउम्कयभच्छिमक्रुपूभाङपूभा ॥ पू
भेपिल्लभः पनभजड़ःउेनमुत्रणीपू ॥ ङ्गेदहृप
दम्नपश्चीकन्नुकमक्कैमपमिगृदमङ्गुमिड
ङ्गपपूभउगनङ्गुकलतुम्प्रापभेवेमनङ्गुप्तपू
भा ॥ ठिमङ्गुठमेपवङ्गुभेपेम्प्रापङप्तुठवः
डवङ्गुमेपश्रुम्मेमकलकाठमभमेुकवङ्गुङ
मेपिङघेवद्ग ॥ ङ ॥ तुहृठमङ्गुपःभूष्टुहः ङ
दङ्गभविनविम्मयःङिमुठिवःद्ग ॥ पविवम
पविल्लुत्रपिनकलक्किङमेनवनवेम्मपङङ्गुत्रं
ठवङि मेपिघम्ङघङ्गुङमपपूमस्लप्नेनठ
वेङ्डङेगमनीलवठमेघम्भुङ्गुवीङ्गमेम
मेङिनमृड्मिनिमेमंभुमेवेम्नंपङ्गुवरुगदभ
नमिडेवंधवेगठभमपेपमुठमेनववपूमे
पेम्नापद्ग्नवनविम्पघःमपूभा ॥ घडःपूमेविण

ड्केमेपूमपूभा ॥ ङलश्वुठवेङिपेम्नुद
भाम्बविग्ड्तुपत्तुठमेमिङिःपूमा ॥ ङलमिङि
मभुरूः त्त्रेवंपदयवभुङ्गठवेत्रउङलभुङ्गु
पमदठहेम्नापपपूकमङ्गुपङपङ्गड्डुभ
॥ घउङ्गभेवङ्गुम्प्रापङ्गविमत्रङ्गुपङपूपु
पपाषिङउङ्गुठवेरकेवलंविपपपमभङ्गु
मिङेनमाम्बवणःङलेयपदियःसुगेदे
भाम्बविलापीङ्केमिश्चुसुगङ्गविलापिङेविवे
कवडदेउङलठवेराहृवभुङ्गेडेपडेहृदंमु
वभुउेदंविलापीङेवंपडेनीलपूकमभुङेनी
लमिम्मिङिपाभम्नङ्केकङ्गुपङ्गुपिकेङ्ग
लठवेपपेकुःडङ्गुमःउङ्गुवभुङ्गरपिङि क्विमे
दहृपःरङ्गुपमेवङलंहृपारम्मुहृरिपमा ॥
म्नुपदभा ॥ म्नुत्त्रकगम्बमिमुःङ्गेठेमः
पूमा ॥ ङलपेःविमनत्रगलेनमपडःपूमा ॥
विमनत्रम्नमङ्गलीविङःमङ्गम्नुठभङुरेम्नम

१५
०-१

कलदिङ्कपैरभह्रेमकईवठभमइरठभ
भइवप्र्वतुडे भएडङिल्लेदिङङि डडेयेम
कलठभघेःश्वलव्रद ― प्र्व ― घेरभि
मऽङ्गभह्रघभरेश्चठभे प्रभ―ंप्र्वतुडे म
घमिटपिह्नवठभश्चठभतुररभिसुभरेव
श्किङठभभङेङ इङुंसीभय्मद्पमैरवरिघ
डेएघमिटेवपरभम्नः धरःश्किडेभवठवगडे
भइभभहुरैवएघडेडङि डडम्वठभमइं
वशु श्वलव―ंडडमठभभभर श्किवटः
ठभङ्कपभठभतुरभेकभहृयेव डइमपुवगे
वमप्रभ―ंउद्गंभिसीकरेपुडेपुठभेपुगए
फीडग्दिरप्रभ― मिटरेठविष्टङि श्च
वभघभूभ्भश्चनयेमह्रु प्र―डभू प्रटठ
भविमृतुडम्पेवभपि प्रभ―ंवमडप्रटठ
भविश्चुमेवप्रभ―भपेहमिटंभुं किमवतु
रे― ररघमिविभम्नः प्रभ―ह्रुपारःभड

ने
५
०-८

द्विद्रिमद्भृप्रभिंतु मेवं भदिभंभ्रूरघेगम्द्भ
रभठिभडप्र भिद्रूगक्तिघ प्र तुपदतुभ्रव
तुपवरङ्गलिडवङिःश्किगःभंभ्तुव ठवङिभ
हेभरङुलरंभेद्भदुडे रडहृभे डघविभम्नः
रघेविभम्नःपवभहृकोडुङ्घपरवप्रघपव
भेवडभूरिङ्गुलरड श्वभंविम्डइमभदि―ीड
मैवरेम्वरएडभिडिवडपवभृववविभम्नश्टभि
भम्नीकर―ंभंवेहृडे डडुंम्येडभ्रणविम्परेवहृ
डेम्यरएडैकविभम्नडहृइ मवंश्किडेद्विम्भद्रु
पिघवद्र्पङ्गछरलभम्दयभगङ्गिघभभ्भ
डभपवववभुयम्नरघभिकीधङिडववम्वङ्ग
पवभमिकयिविवमःपरएरवमररकल्ठे
रभभतुद्भभरंप्रद्रृङ्गिमद्भघभिङिपरभ
मं श्वभंवेयरयेव ठिभहडे रङ्गेवं घाइगरि
घंररद्विमङ्गडि डइकघंरएरएहवनःभ
ङुडकिंरभुएडे प्रवङिद्विरभचर प्रभ―ड

पवकिंउदिज्ञमरभंमयउाववउपहाणिहउ
मगिद्वउरउभृमपिवदृष्टमिभविधिंवठेल
नेरिम्ब्रिउभम्हविउम्पम्धृदृवधेममदमपृ
वाडिम्मनरउमजिद्दउमिमयः पृवडे उवविवदृ
रंलिकभृभमपृवाउः ज्ञमररनुलिद्दभिडि
कःपृभ॰॰॰उंपृडिपद्भुउेज्ञमिम्मद्दषठववि
पदयमिडि पवभ॰॰द्भपउेरठ्ठभुमुपव
॰॰द्भमउेहेपिव पृभ॰॰उपृभ॰॰॰विठगभुउे
भ॰॰दृपमिव उत्ठ्ठउपभपउभइपववि
लव॰॰॰भीवउे वगिदिउभृपभभउेउेवैलव
दृंकः॰॰ठेमजिदृउउम्नुयमतुंपगिमिडं
भहूभठिभहुउे उउावजिउभदगदे॰॰॰
यइउइनपेदउे उम्मविभंवमठीनद्विम्ब्रिड
पृभ॰दृम्प्रेणमम्पभुम्पभुपिवपृवउभनिने
विभंवहुउेउेडिम पृव्उपचकगीठदृउउेर
लेकिकंपृभ॰॰॰भुउपमउुमिडेभभदृमष

०५७

ज्ञमिद्दुवेपिमिवदपृभ॰॰दृमढ्ठमभयिउं
भुउपववि ठगविमेधलव॰॰॰पगीहमिठि
विदनयमिडेलेकः यष्ठुमपणिउभृदभुप
वपृउिदउनढउिकंविभम्बलंविणउउउमि
णभुउंपगिद्दिभुपृभ॰भवउपविमुउंपृभ॰॰
भिडिउम्हेद्धिपिकेरठेभापमिमेवममनेयेमि
द्भुनेमविवमभेवभाद्दउपैवपभेपवउपमुठ
भेभजडिम्रुउः मउभनप॰॰उपडीडिरठभ
उुगक्कदउपद्भुठवअउम्नुउभनुनेगडिपडिः
समुदुगभृमउेरभकंकदक॰॰॰ठवनियभः
भभनठिकनदृनियभम्प्रेमुगनियडिभदृ
लीवमपववणदेठवडिनदृपउेनयवडि
नियडिद्भुउउवडिमेमेकलेवनभनपभ॰॰
भुगभभुनभनुगःमम्भवउपेमृहीपभुभवि
मनवभृमिद्भुठवधेम्नवदृउुगदृपववटपाः
पृदृवमेमपिणीविउकलदभेरयद्भुषभधुंउ

उषैवघषनैउष्प्रिधंभंभनयडिगदरुनवद
भिडिउइउउषविणमघ्नघ्मिविभन्ने ष्पुरुष्
लूंघेठणडेमघ्नगमिःभेपिरभ॰॰॰घषवेद
भिष्णुउघिः भुड्रेपिवटेभ्रुद्गडगभघ्निः डेप्
यष्णुश्मनभ्रुघिडेंदृ्ॆडिघ्नुभकदफेध्नुनंगड्ड
डिमीद्गिडिभपुनवड्डिठगीडि कदनिन्के
फेवडुपयंगउडि गपठ्न्नेमभद्भिङ्गुफेभद
इधंरउिपउडि उइपविपदयडफेडिउफस्पुभु
भृवउइरष्णुनयेगट्डिउ मदन्रुउमद्धरडिप
डिङ्गुपद्गठवयरभ॰॰॰भेवडषविभन्ननद्म
कंमद्धनं नङ्गवेंडफेवमभृंकंमिङ्गुडिरभ
॰॰कंमिङ्गुडिनेडिभ्ुनभेउङ्गुऊं भपन्नपडि
दृडुभ॰॰॰न्नेडि भउडुल्लूभिभ्रुडीडिव्रुउष्टुउष
पिनेपेड्नभे भपन्नपउिरभ॰॰॰भिडिकेभ्रुव
मनभ्रुऊः किंघफेकध्रुनीलद्भुनंरष्ट्नरुप
उङ्किंभचभ्रुनीलिंठभयडिप्रभद्भुनंवग्निभ

नें
५
००॰

घूभिफ्रि गवगीडफिमहूवगैमुगीमड उघेडि

घइफियफघडज्ञ्रूमक्षिडेगिडिम्लेकेघइ

घप्दृङ्गे डे रहूहकगभैठणकवरभारभूडि

डइठवक्रूडुफरिहघठक्तहडूहृडघभुभ्भइ

भ'''लढ्''हृडेमचंपूभ'''भुङ्गपंहूडंठवडि

किंविमधलढ्'': घभूविमेवफ्कडूडुक्तलढ्

'''भफडेरपिपूपकडंप्वडकडंप्वाडिघे

ट्टमक्षिढ्पूपडिकवभुपप्जकडूपूभ'''लढ्

''भूवडरकिक्षिहूभ'''ठिभडहणविमूडुं

भुङ्गपभूञ्ञंडम्लूमनेरलढ्'' रविवह्रूडेडरिङ्ग

ध्ठवडि मटघभापठ्रूभुवकम्ट्रूलीमे

ट्वामिभहूडडूंडफिहलंविभुगे''' ३

नरमैकठिणपविघयेमिडिचभुगीडियप्र

ङ्ग डड्केमठिणंरवरूप्लुलढ्'''रवपूवहुडे

यमिडहूघभञ्ञे रहठभंपूभ'''मठभमि

म्रीकर''ठभभुम्लुलढ्'''मिहमक्कंपूमन

पं
४
०००

घरूभ'''भूघडूमेघंडह्र रमाऊडेरिङ्कपयि

डुभाफ घघफमियघघाञिंवघघाहृइ

ङ्गिठिहूडे भुठमेप्टऊपकम्विवरम्भहूरभेणि

डे घहूपिभएडङ्गिरफि:पक्किम्ुपके

ऊभुघपिडवनेवभैर भपिडपघवडिङ्गठह

भारडमपिभफडे डघफिम्बुडडूंवविवेमनम

ञिहरभवे'''वपुचरमिक्षूपलीवनेनव

डइडिणपिविवेमनेञ्जिघभे'''६घगेवठ

हूठभ: नहूवंमेडूघमेकंम्लुलढ्'''भमृडे

डेधंपघफ्डूभभनरभूठभपंघेविमज्ञे

नपू''डडूडः मकमामिडूहूठमेववियू

भृडि डयपरपरभाभाहूहूवफ:कमामिडु

रनु'''पूणरडपाफनेरहूभ्रमिकुमिडिहमि

मृ''पू''विभम्रभुपडप्केम्लुलढ्'''मपि

ठिवरूभ: मरभहूनेरमिमृडविमम्रनेनुभ

णिडियपकेऊ:म्लुलढ्''हूडइकम्विवपिम

मुीफमिडिमङुठभमेवपमृडि म्रपरपठभत्रभ्रु
भुपिडजम्रुिघडे डष डफकदर्‍उजीभ्रठ
मेभ्रुडङ्कघारपरयेगुवभुजीमुहठभंभुल
हृजीकफ्रठभंफ्रडुडजी फ्ल्हठभंभुपि
गुज्म्रुठडरठवजीफ्रठभमिडिम्रुभु
हभ पवंरुमिक्रुहृगपिघेलरीवम पवमे
डेभ्रुठभठफ पववभुठभमरडभरडङ्भ्रु
डपःघेभ्रुठभभ्रुर कुडविमत्रःमेपिभुह
ठभमेवमघभुहिलल्फ्रनेगेपलीविड
भुएभुभुहठभमेवविम्रुडुःभजुएलेफिडङ
रुहुजुिघकगिद्रमटरुपहडिरेकहभुह
ठभमेवगिघडभफठमेरफ्रुगुपगिफर
भडभुभभ्रफाडडडहठभतुगभुघुघेफ्र
भफ्रुठभरजुिघयंभहृयरहठभहेवड
फठभरतुगीयकडेरठभतुगभुगिघडभु.
पेफ्उड पवंचेरचेरभुपरजेविमदडडेर

डेरठभमरडङ्धेवडपेवएडिठभरजुिभफुउ
जुिघकरुजुडिमिडुभ पवंभुमिडुजर
मिडुभुमिडुङडिमयेकेटजिगडुकर्‍ इ
ठगिडुपिडेमीघवडुडिपभेडिमफ्रुएडिम
५ नडवंभुहठभमेववभुहेकेभ्रष्ट्रनव
भुभुमिहमङुफ सुठभठफ्भुभुंगि
घडजुिघभुः भभरणिकाटे भुडिठ
भफ्रहेमिरभ सुठभरंभिभुंघफ्रुं
डङ्वभ्रुकम्रुफठभः रुपरहेरहठभरं
विम्रडिपमीकडुडुः भडधंभभरणिकर
डेरभफघभुधंभप्रुडुःडङ्भरणिकाटं
डेपलफिडेयः भुडिठभजिम्रपःभुकमभु
फजुभु कम्रुकम्रुरपफ्रुपरभवभुह
भवभ्रुकठभविम्रडुडगिघभड डभुडुभभ
रणिकाउठभभभवभु घडिवगुभुंहुह
जुपरभङ्ठपेविमत्रः डफेफरीमेघभएः

रं
५
००३

भुङ्गिघपेकं भगगेभुडभं मघपेकंवभुडेरक
दघवैङ्गणीभुघ विन्मघुवठभ भपलेहि
डकाङ्कनमघभुवं भमुङ्गिघपेकंभुलक डङ्क
दरेङ्गणीगिडिभमुङुः रेङ्गणिघ पुडिठभेवि
भक्तेऊङ्गिघ मेडिभुङ्गिहुभ १ नत्रेवंपुह
हभं पुभ भुविसुतुड्डमघृठभेघिङ्खं पु
भ पुभङ्कं नेमपुभठभभडेकदक ठ
वठभेपिडवमहेडडमुपुभठभेप्रघुठभं
हुठिमगेमिङ्गपिरफुडरपभ्वरमङ्गडिम
कुंहुपेदिडभद डइविमिङ्गवङ्गुपेक
दक्र डेखुड डडमुक्रडहुम्न पुभ मे
कडभडः डइडिपुहुठभंपुभ विसुहु
डीहमिवपिपदेनकमुङ्गिषः डघदि म
विमिङ्गुचहुपिवङ्गुठभेपेमकलठभपुभ
पेरठभेरमङ्गीलरुहेभभहुभडुऊधहुडघ
पिभरवठभेयवङ्गिरठभेगविरङ्कडेहग

वहरिघडिमकुरिघभिडः डवडेवठभ मुङ्गेह
हैवपुभ हुडनिमुघपमवीभवडगडि डघ
मवङ्गुठभडङ्गुरकदकहुठभेरपुभकर
डठभेनेपुहुवठवहुठभेरमघुठविकापु
ठिमगिडभ दमदः पुडीघभ नेविमुहैवभव
पेवमडघ पुऊडिठवडि रकहुडपुभुठवि
केपिघः मुठवः पुरुषहुडभभघमिभापरे
कीडहुघ ग्रिमघवहुहं भ पुडिपडिकरि
हुभिहवभमिः भेपेकरपहुदमेवनिसुीघडे ड
मुदिपुभडुः हुडिभुल्ले डर वहुपे ठभ
डुगनुगीचकडघ भ वहुठभः भंविमिडः भ
चपेमकलगडभुवेवभंविमिडउडिडइकिंपु
भ डुरे डमुडमुपुवेङ्कपरुषभभघेनि
घट्टभनहमङ्गुप्तडेघठलमुभगकरमुठ
भडहनेरिघडिमङ्गिरेवभचहमर भिडिप
मुरघडि रडमुङ्गुं ठवडि घङ्किङ्किहुइभगिड

१५
००५

डुपडठडि डश्वः पमभेमुग्मुडुमेवतिमिडंयडु'
म्रघमक्षिगिंडुमृडे डडविमेयम'ष्टऊझिय'विमे
ये'''येजीडश्वय'मुलक्ष'''डम्भिव्रिमेयक्कुपेजेड
ड्डुलठविगीवम्नः कयपव्क्षडिः भ'येमेमुयिग्र
ड'''ड्डुलेमुक्कुयडुरेमुड्डुय'नुमडु'नम्येमयडु
ष्टक्षडुग'''गिक्षतिम्रष्टक्ष'''गिडेयंठिवेठेयेति
मिडेभडिठवडि नडुय'नेकैकडः म्रम''''ड्डम्र म्र
क्षडिगपिडुम्रम''''भमुक्षयेवभमुक्षडमयपा
मुड्डिपपद' मम्भकंक्षेकमुमंवेयनविमृ'डिभ
यीभ'यडु''''डेडड्डुंम्र क्' नमेमडुः दुडेडडुं ड
यमेवमभम'म्रम''''डंयेलनयेलिकमयघि
गिडुमृडेगनुदुष्टपियुगिवड पवंम्रष्टक्षभमु
क्षयेवम्रक्षडिगिडिडडुदं येम'पिकेम्रष्टम्रष्टक्ष
यमभ्रुयेम'ठभयेलनयभष्टडुःम्रम'डदठिवे
यडुलक्ष'''डडिडिवभक्षडिः येम'पिकेनष्टक्ष
डुवैःम्रष्टक्षीक्कुडेनठभडुनेठिवेमुलक्ष'''विमि

ग
५
००१

डेभडिपुक्षडिगिडिवयेलन' मुडपिम्रमेयव
म्रक्षविडुम्र''''यिम'डयनुयपिडेन'ठिणीय
भ'नःम्रम''''भमुक्षिगिमुडेदेनक्षेठवडि
नडुकिं म्रष्टक्षमेवम्रक्षडुम्रम''''भमुक्षडुप
येगीनेष्टक्ष मष्टनभ'नडः नकेप
लंम्रष्टक्षडःम्रक्षडिमेम'यिकष्टक्षडुनठेमक्कु
पम्रम''''भमुक्षतिमिडुय'वयनुभ'नडेपिड
येवडुभठमभ'डुडुठभभ'डुम्रभ'मुडुठभ'
डुठिम'गिडुपवडठभेमयगि म्रष्टक्षडुग'''
यमुडडुयीड डिगिडि प्रेगष्टवमुडुयिगेडे
नडुडेप यगनुभ'नम्रम''''डडुमुक्षमेव'गिन
मुक्कुलिकीम्रक्षडिविडिभमुडः ७ पवं
विगमनल'येवठेम'ठेमष्टवमुडयेवक्षिप
नेमेमुवमुमंवेयनक्षेनःमिवनायमुमुडडुमगि
विगुमिडंडडमुपमेदेडमृडेमुनडिकंयेव
गमुठेम'डडिडमुम्रपपक्षुडे नडष्टय'कय

क्षिमिशिरिछुष्टडे   ड्रुगत्रिकउयगंरंपरे
मष्टकुउड्डा रफूतुरउयरवेचेहुज्ञकभृः
तुघयिव :: ठित्रवठभम्लुयरभपिभुए
वठभउः मकरस्टवभन्नाएपेकङ्भविवरि
उभ   पुडिभगुभभरेःःहूवर्भुउवउः
कवंडुरुडुरवेवभुरेरठेमःपुडिठभभूभक
लभकलवडुउरवडउरद्धियरयषरकषष्ठ्रिय
पिठेमउ रत्नविभन्नेपिरस्टठभेउषेवठित्र
उ भहं उषरपिउुपरेषेविभन्नःभाग्वरयंपम
गउहेकपूटवभन्नुपःउेरपरिःउकल्पेरमु
भभतुहूंरस्षंघभूभाएवठभभ्रेकुउुपठ
वठभभ्रेकपूटवभन्नेउन्नमिउेपिभ्रेवेंक
वठभपुठभविभन्नयेरहुटूनविधेगउ उ
भक्लुएवठभपेकवभपडिफउभभे पये
वत्नमिंउुपेवम्हभ्रमिटस्पटकपगेकउठप
लुट्नरभ्रुठवेरठित्रभुवठभम्लुयम्रभाए

रं
पू
००९

वठभेयेषंउेषभेकङुभाएवठभउाकपू
हुवभन्नरपरिःउकिडिभक्षुडिः वरूतुरउ
यठित्रवठभररभेरुंयषषयपेवमहुंडुउपेव
दुरफभल्लिपरभीडिहुज्ञकरंरधीपरलेकधीरं
पेषेठित्रवठभरभेरुंयुपेवरउुरुलेंपीपर
गीलंम्हभ्रुउपेवभुदंस्तुठिल्लेफिउभेवपशभी
डिभ्रहेरवरपिपकरेःःभ्रियपरवरमिरप
कपरत्नुभभ्रापहरफिरवयेषभवठभम्लुय
ठित्रउेषभपिभाएरहूवभनाएरत्नवठुव
ठभभ्रुउपरलरपेहुमेवेडिपिउभ ००
रत्नक्रुरक्रुरम्हवभुभाम्वउःपूभरहूवभि
उअहिंयंभेउषेवेपयेगरस्नहूउरदुपेक
षभरतुरभूअहिंयरघंपभरहूवभिउयभ
उपयेगमिडिहूतिंठभ्रभाफ   भअहि
यपिभफएरउअरभीस्रुरेम्लुय   गिफिड
भफिउरभूरहिपउेहुउठवेउ   ७९

उः भाघ पकंफिमवंश्रतिः उइपिउम्रपेम्रभ्रउ
वगाऌेम्ढेगाउवापरेयंइतिमसृउे मवरुडु
पिउम्रापिविभमन्नष्टम्भेदउ मउम्नपषगिर्दु
उहुठभेष्ठरकमरशतिः भेलांमेउविभन्न
रवुउितिमुलरंविभन्नेफ्यकलाफेवारुहव
णकेरक्रियउेउउितउइवशतिठवृडितिमिडुं
रगाउष्टमुत्रिकघाभफयहृष्टेकेविभन्नभु
घापिमुत्रोरगाउभृउेरहुरेरयाफइभिति
विंफेरगाउभिति भा र घउउपाणिठुपेयेपे
मेइरगाउभितिरगाउम्लुघाभाङ्केपाम्रुव
म्रुतिफेमभुष्टभंवाफड्ढमष्टप्रिभन्नरारवुइ
ठभरभंवेफरं वफिरइठभविषघःउभृाठ
वड्डरगाउउ रद्वेवंठवउम्रुतिकरगाउेढ्रि
मङ्गुहुरेउम्रेफमृविइठभेमुतिकयेवभे
लरंरकेरमिड्मकभाठभउेघइवणःभ्रुउ
पकठभंमेरमरणउइउंठवउेव कपउ

ं
५
०३०

यफभेलांरकेरमिड्मफेउि पवंफिभाउिम्रु
लरुफेरसियउेफेमकेलउघाकषभाठभभु
फेमकलाहुंभफउइष्टम्रिभेलाराठभःयुम्रि
भन्नेरविवुम्रुइिरुमृउे म्रिद्वठभमम्रुठभये
रपिभेलाराठभेविभन्नरवाउिष्टवउरंवष्टेउ
फेउफफम्रिठुपेमम्रुपिरकेवलरगाउपवर
ठउितिफेमाविमेधःकम्रिउ मष्टषउिम्रिमफु
वमहुपेरवभ्ढघुःभरउषेउिवणकेरुलि
उपुमृविभन्नरवाउिकःक्रियठेउउि पवभ
ठभभुम्भेलांमविघभारपुाउभिटेउवपे
वपुभेघंपउरुवागभेउह्रुविवहृउे वभुउडुं
पुभेघम्रिउिपदघःउषमकपिहुठभउउि
पषिवीलेफिउाठभउउिठुपंउेगाम्रुभेला
ठभेरगाम्भवित्रवेमम्रुरिघउिठपःरिघउिढ्रि
रिघभःभमाठवपऌ्ठवम्भुगाभेवमप
षिष्टठभष्टुविमिडुउघामकभम्फुषष्ट्रेम

दै्तविमेधैः मृधंभपरभ॑रद्दमउक्केम्यिवि
मिधुप्यहरभू॑॑॑कलेपम्नुउभद्दुप्तिडक्तू
कगभ्कलेपचंमिलिडः मधंभमुद्भुयःपर
मुतभपत्नेभरघेधिउभिभभिऊंपतिह्ववाति
डीघडेवघेगिभवड्रुमीतं भिद्दुःपरभ॑डगः
द्मयिधुडेघ्वठभड्डलभवउरे॑॑॑भिद्रुंडव
ह्रुरुडेपमुडपंपुभेघडद्नुभेकरभञ्जविमृद्रु
तिःमक्कुडंमृपडीडि ०२ ररेवंकुडेयक्रुयं
पूभडडइवडद्धिपूभ॑॑॑पष्टभेपूघडरीयंर
पूभेघे घमद पूग़ोजियड्रुफलवतिडिड
डेडपमद्रुपूबभेपकिउमेवपूभेघंमदरघड
मदः डघाजि मृगाद्मनिधिणंवभिद्गुंव
विम्डणीडकउडियद्रुभुउम्डेवडगीहुडेपूभ
॑॑॑भुडुपेपरभेमुरमुडंपेमनिचजउनुमेवं
कुडंजिपूभ॑॑॑डघवंकुडेजिठगवडिकचंरुभ
डमिडिडम्डेडइद्रुणघिउभज विमुवैमि

गं
५
०३३

ठ्ठमिद्दमुष्टभमठिडिउलेपमे विदमुरुवमंम्द
त्रेपगभगभडीह्नुवे ॥ पूभडतिपूभ॑॑॑रेतु
भवलठउविगूढे किंपूभ॑॑॑त्रवठभभव
पूमिडिठतिति पतिमिडपूभम्पलत्रि
नवनवमुठभः पूभेघेक्माषः पूभ॑॑॑भिद्दडुं
डइपूकमवपुधिपूकमभइद्दठवेपवभि
ह्रुकः पूभ॑॑॑म्रेपघेगःमम्हवतव डघय
पचपभिह्रु रभडतिभिडिडल्लत्ररकमतुक्त
डविभत्रभपीभक्कडपचं पूभेपद्दभिड्डुवि
डवडिपूभ॑॑॑पूभडम्नुमिमिद्रुष्टकिंलत्रभि
ड्डिरमुविम्नुवैमिद्दुंजि डइपगभेम्नरपकम
द्रुतिभडिठडियघंमिद्दंठिडे घमिजिती
लपीडम्किंपघगेवपूभंभ्मठडडघम्नुभ्र
तिविम्नुउपुडेधुउघवं देरविघवेणद्रकुर
तिरकल्दतिद्रुरतिम्नुवियपभइतिद्विड
तिविकल्दम्नुडेमत्रभरे॑॑॑ठवतुःडघेवडि

यम्भिक्षुडेयम्पुयेडिलीयडेमउडुवयारुग
हृपियवञ्जभवङ्गः उषयङ्गयिपकमङ
येविस्नुभिडि मवमेहृपिण्दः भदभूमिष्टग
भयिमिहूयेहृः डयेवंहयेक्षिडेहृभेदक्षिडे
पिडडूंभूकमइविएडेमगीरयेवाद्धडठि
भवयुगभेरमवङ्गडठिमरेयएयेमपक
ममरमवराद्धडठिमरेक्षडेमूलडक्षुयप
क्षुडेयीक्षूलंयषरउङ्गडेहृभिदः डषयडृठि
क्षुडज्ञमुङ्गपमुडउविक्षिडेयुय᱿यपिड
पदडुयेजयामेमुडेव, क्षुभठवारलेरड
मिवमभनेयपिक्षिपृरदेदभएमवेवपमेक्षु
रडभमवेमममठिनिविक्षुपमूडउदेवमगीर
यमेमुदंमणमेझमः रउवमुडः पलूडमे
दहसैवभक्षमय᱿क्षुगलेरघवक्षिडवि
क्षुक्षकडपडेः यमृउदवदमभणेदेडक
लपेयमिक्षुडठिमरमुडइपिक्षवदमम

णेवैवहभेदेपभदः यम्नुडभवयरयम
रडिडइक्षुमकिवलक्षुडडेवउम्यिकल
पषगमरक्षंक्षुगपकेरवमृकमभिक्षुवि
ष्टेवमुडपलठः डयेवंकुगीरुयिक्षुक
क्षुयेरयमक्षुडयेववितुवेभिक्षुहयिक्षुक
डयेᱹपमृहयमक्षिपिडे मवंक्षुडउवक्षु
भᱹडयेवंकुडेठगवडिकषमयपक्षुडं उड
क्षुयक्षुभक्षुमभयविडिक्षुरेᱹयीडये
वतिचाकिडमिडिमिवभ। ७१ मुयिडः
०५· डडिमुीभयमदठिनवगुवृविगमि
डयभीक्षुगयहठिक्षुभुइविमजिरंक्षियणि
कोभरडक्षुलमेयरिक्षुयᱹरमदजीयम
किकम। ठवरठमयकडु
तिक्षुलेमयक्षुमयेᱹ कदकरᱹठवंमयक्षि
डुडंमुभमः मिवम। क्षियमक्षिगठरयस
भक्षुक्षुडठिमरमभक्षुक्षुपक्षुपकठवपृडडु

प्रमप्टकदका ॱॱॱठवभ्रुडडुंप्रमणपिडुंत्रिके
कविंमट्टफ़्किकतुरमरहुडे पघपेहुपिपव
मिस्कैवफेडडकद्युडत्रिघेहतुं डइस्लेकेरभ्र
भडेकद्युकम्रुठवापवकदकाॱॱॱठवडद्दुप
फ़्किट्टुडे डडःस्त्रेकइघेॱॱॱणठम्रुकाॱॱॱद्दंप
रत्रिघडे डडःस्त्रेकधक्केरप्येडरभ्रैवकद्युडठुप
काॱॱॱडप्रमप्टुडे डडःप्रमङ्गम्रुत्रभपेत्रिघडि
मत्रिरवम्रैपणीहेडित्रिकइघेॱॱॱप्टुडे भेगडे
त्रुःकदकाॱॱॱठवपरभजिभ्रम्दद्दुहमेवव
लम्रुडेरमेत्रकित्रिपिडित्रिठिःस्त्रेकेः भहै
पम्रत्रिडेपिकदकाॱॱॱठवेपिपद्भुडेघमुभ्र
मद्दुंमेडरभ्रुकद्युडेरात्रीत्रिघडेडिडिठिः
मेडरभ्रुप्टरीमुरडघंरेडम्रुपडडःडिप्रह्रुमि
डिमहुपगःगत्रुगभुरहाप्टघडे पवं
त्रिघमेत्रिभपेरप्रमडेकद्युपडंठगवडिहुव
जडुहुंप्रमप्टकद्युठुपडपिडडापवघद्दुमि

ॱ ए
०डी

द्वुडिम्दत्रघिडभद पधमरतुमत्रिइ
मेवभठभघट्टमुरा ठवुनिस्कुवमयेधत्रि
घनिदप्रडम्रुम मेवुणॱॱॱपधाव
पुरॱॱॱःप्रमडप्रुद्दुवराठभिडपुवराठभम
ररहुभघत्रि मविस्क्रिरपद्दुरकघमिस्कु
परंमिडगत्रिप मविकल्पडुपघभहुभ
घवमेरभमहेन इइस्त्रुडेठवःस्क्रिडःप्रुफ़
भरतुमत्रिवपिडि विस्रेफिठवभुस्रैवमत्रि
डुपॱॱॱभ्रुडुपम्रुवेरस्क्रिडःडद्दुत्रु भ्रपिरप्र्रः
द्दुमंभ्रुहेद्दुघपेडम्रुठभरंघभविस्कुभत्रि
घभुठगवडेत्रिम्दप्रद्दुमा ० ररगीणमु
दुरडम्दुवद्दुम्रुडेरमइकम्रिम्रेडेतुप्रविम
द्दुभ्रुभुद्दुघभेडद्दुत्रुमिट्टमद्दुफ़ णठ
भुडरभमत्रिःभद्दुघपमडःभडः कद्युकम
दुडद्दैवकदकाॱॱॱडडडः णठभुगीण
भ्रैवंत्रुडंभमहंरमिपघपमम्रुपंभम्रुपंवद्दु

विपदेडीडिकूमयभवकूपडिवः डङ्कुंपाभ
ऽगूरूडे॰ नेमेकुएभूकपालाडिमगीभूय
वघवः डेधंतिलविले॰ पूमिङ्कुग्ग॰ मपिलमि
पिमूहूषङ्कठवनमभदभ नंलेकिकमेवक
ग॰ मिडिम्पलेभमूकूमङ्कमिडेदेमीपूरुष
भंधेगा ङिभवभपेहुंपमिम्भुमीडुडगकलप
तिवभमिडिघेगीमूकुषडभमनङ्कुरेडिडमध
डेकडिमभूवेमुभूमभजापवमेडनपवडुडष
डष ठवडि ठगवकूमिठजेभकडेवेविघटुव
वडुलिङ्कुनभनडवभूडुडुडुहपदेविघटुव
वडुविले किके पूमिडुकदकग॰ ठवेभुडडुं
उपूलुडुनभमूयभ॰ भूडुघेगिपूघपूमि
मूलेकडुवे डडिरकुमिडुिणः डुयंमूलेक
पव पाभजडभुभपवकूभाकूमठपविक्ष
भहूङिकूहपकुकरपकुभूठवः पूकमडेप
डजेङिभुङ्कमूदो॰ ठवभूडिविभुवयठभय

९
५
०३३

डीडिमिङ्कुडुः घमकपुवगुकः विकभाकन
भकूगभठिङुवेवडवुडे लागामिङ्कुंनभभुसैक
लाभूभूपवमूलिवे॰ नवयमिपूमिङ्कु
कदकग॰ भिलुडुनेगपिडङ्का॰ लाटुकदवि
मेषउल्लूपडुटुवकद॰ लघडेठयाभुदू
वभानकषः डवडिकषभटुयटुइमिघभव
मूवेकिडिङिटमङ्कुपूभ॰ किकडवंभहैभुय
डूडुकुदडीविघभविणनभपगाडेरकिविः भु
ठवंवभुठवडि रापिकिवभुठवंभुठवठेप
नठेकडुदघमभुडुठवडुघठवेमरिः भु
ठवडपूमकूडा पवंविदेडकेठिवदेडके॰
मकदेवमूमुठघडुपिमदेडरुडेवड्रव
भुभुदेडडपवडिमिंमपाठदुघठवाङ्कु
ठिहुठिमाति॰ लडभुदेडडुङ्कुकुडकुडु
भलानवभुठवः डङिमदीतिघडुलुङिति
कदकाले॰ ठवभवमिंदविप्पडेडघेमूकुप

फिम्रुठवदेडगडुङ्गीरकदकग॑ठवमुङ्गिप
गीडमुवफ्रिभागयंपवॅडेपुप्रभवड्डागिडिम
िदिंयंरुडकड्डमिडि डडन्नूद्धडवक्कदकग
॑ठवापवपुलमिडिकिंडड्मूडे म्रपगमु॰
विमादडे यम्डिडवडूडकमूकगा॑यडडं
गमदुठवःकवमगठवगपगिम्लिवठवगम्रु
ठवडगमा निटड्मुठवःमूडम्रुठमठेम
ड मठेमेड्ठभमूदेडमिडूवेवमाप्रमूमि
मुडूड पंर यंमि हुवदगःमाष्टडेडगयं
वदडूमिडिड्यिगड्वदगमूडूगाठिणपडू
कदापवडडेवगियडिमड्विगड्डीरुडठवड
पि डम्डूम्बेम्रुम्रुठवदेडम्रुाषमठेपंविग
हुवदगमाड्माणगमेवदेडूठभमयडूमे
वगपिकेफिडड्माष्टठमेह्रपाडीगमेवे
ववगुभमाहुागिमेयमेवमगा॑ःडम्रीवे
यडिमहूपडूःमिमपाठमवदठमयःप

२
५
०३५

चवीड्मिमागिकाग्नुठमेदेडवलाडडः
मुठवयंदेडदेडुमन्हुवपुलापव डडापव
मामाड्रेयेम्यमंर्द्रःमुडूं मचःमुठवदेडप
ड्डिपुलगा॑डड्ठमापवमवमिडुडिमम
मड्रिडेमूक डडम्नुमिंमपायमेकमूमेव
मद्दूमागयंमापमि पंमंगडुगा॑गमम
मेवडुठमष्टमामाह्रडूःमष्टमूगमपि
गमुिडिमष्टष्टडापव यडुडमेकडूपंविमि
मुंवदवडूलमिंमपाह्रमेवडम्नुमिडूमि
डिगमाष्टुं कगा॑यडुमिम्पमिह्रठमेपिनू
मूफ्रिङ्ठमः पवमगड्डियकगिह्रठवु
पिहुा॑िकङ्ठमूठवडडिगियस्टपेदये
वमवेमूठवदेडवेगह्रवेटकगुपपः
०० गहुाठमवमुहुवम्येगगठडमूप्रेग
वमुमिह्रगठडेगकयंपुमेला॑ड्रडेडि डडम्नु
पुमाम्येक्कगा॑मूकबमगमागमिह्रमहू

मभञयिउभद   ङ्कयभुउहुभइकव
हुठभाधिडठवेड पेहुदरणिपडेतुभठ
भाधिङुउवभा कदभहुठिमादधुलिङ्गं
पकवांडवद्धदवभेधुहुडाउपलभुवलेवा
नुठभपुभठभयेःकदकवा॒ठवेगदीङः
उइविङ्कवाधिनिम्भवेधुडिमउवभहुङ्ग
भुठभःउडिभुठभयेवकदकवा॒उग
दीडवउभनुवतुनुडयेभुधीयवउउहुभं
देधवडडङ्क्षुरनीभउभावेवठवेङ्गभउवा
गउङुभठभाङ्गिमिभवङ्गुधिधुभाङभउवा
उवविङ्कधुनुठभपेडिविद्युयः डदउदभ
वेहुधिपदा॒अभुयंघावउुभुउङ्कुमभमङ्ग
हुभावभभ्नुवःधुभाडवभुवडभेकभेपुभ
ठभञ्जवहुठभञ्जवहुाघेडवडवडिडेधं
पवभेभुवेल्लेङ्गंविधिडिमिडिहुङ्गंउडःभुपा
भउवाविभेधहुगेवपुभाठभभाइवहुठभ

१
५
०३७

भाइभुकदमिङिड़िकुगदीडयंङ्कयेपिप
वडेयपुभठभःभेपिवहुठभाडेवेङिडिं
भ्रुइवुमिभीडेइपवडेयुठभाउडिडवडिउ
भाठभविभेधेधुभाइवुतैःभर्वेकीङ्कयवहु
ठभभभाहुंभेधेदङुधंभमभदिङेविभेध
ठभवुगविविङेधुभाइवुतैःभाकभीकीठवडी
डियवडङ्कयउडिङधिगदीइभवपि
येपुभठभधुभिरुदा॒भङ्गुवठभाधिङा
हुडेभेधठभउउवधियववउपुभलापुभव
मधुहुयुःभमाणिपडेवभङ्गिडुभधाहुङुठ
भाङ्गीवठभाडेवेववठवेडउडावएगिडे
मङ्गडिवाहुःमकिलिएभयाठभभेधुडेव
धुभाङभुकेकाववेकदुउधुहाडेपवेडधि
डमघः घङङ्गभाकिणिपडिङ्गवहुठभेउ
भकवा॒डडपुभाठभेधेवाहुठभभुहुठि
मविङेकदंलिङ्गंयेगिरुडङ्गठवेविभुङ्गिडे

रवंर्यैदुमइकेपिवङ्कहं रकेवलंठवभइ
मेवकदकाडेदुमघःपद्दुरेपपङ्ग्ःयवम
म्दिम्डीडिक्षुउविठङ्गमभुष्टूर्यैलकमडु
कद्दमिद्मभुीडिठङ्कमरविठङ्गर्यैदुम
डुकद्दमिदेवंक्षुपपिघकदक्दृडमापि
रेपपङ्गडेरमरमभुवडिलठरं स्यरे
द्दुपेदुरुद्दलीविडम्मलदुरंरमभुवडि
०२ कघभिडिमेद्मृडे रदिभुइं
कविम्बुरमरुमइरवलिरमा ममइप
मेदेयमभुदुःरकलुडे लदुःकिल
दैद्दुपमरुमइुडुमरठविद्दुवःमदेदर
मइरुपदैलदुविठदुरमेडदेरहुयं म
दुमइरमपेदुमेडदुभुडुपमेवमदुदइ
मेपमविडडेदुमइुरविदीरदुठठवः
भुदुमइविमुडिमडुभमदुमिडमगीरःक
वंपाइ्यमेडडदुयदिगीलमदुरमु

२
५
०३८

द्वघापिविपदघडठघभपिवामदुमिवुमम
घप्रैकंभेमाएमदुविदपाएंदुघभपिव
भेमाएंरिदुपाएंवडघापिपडिपदिक
दुमइंएदङुरेमयदुघाघिरमुरलिद्रि
डमवडिभुडेडमुमभ्रुमुएदमुपेदुडुपदे
रमेडदुविमुदुदडु ०४ घद्भुदमेडघ
रपेदेपपदुडे मुडपवविठदुदुःयम
देकमभमुयः दियकाकठवाएघुडुठ
वमभदुयः मभुपीडुपघाविठदुरदुमुं
भुपिवघदुःदियुकरकठवलद्दुःमपव
डवद्दुवरंमभदुघरदुःमुक्कःकदुडमम
घमिभुडदेमिदुपठवदुयेघंविमुदुडिडुपि
पपदुडेदुघाडरकघदुडडघादिविकल्प
रम्भेदुवदिघभ्रुरवभ्रुमिभुडधेपपदुडे
वभुरमरमुघिदिविकल्पदुठवारभागि
डघेवठवडिभमेदाभिवभुरठवदेवभु

रदमिदमिडियःपरमज्ञाएकविपूर्त्तिऊपः
स्ञिकीदद्धडंविरेडि भुठमठिव्रयेरेकप
रमज्ञंविरामिकीदलदाऽकपंञ्जियेडिव
पवंञ्जियंवमिकीदंवपरमज्ञंवपेहुप
भुीरिहमापेहदंद्भुमभः ३॰ पडस्पुमं
दरडि ऽड्डंडवाभपएहुठमलग
मद्धर डिभुमेरेवमिप्रैवदेडडकद्युडञ्जि
य घडेरलाभृकरा॰ड्रकद्युडड
घारीमुरभूमेडरम्भृपीटरेरदेडभृकरे
॰मंएडंघाएवडघमिकीदुभुप्रैवमामि
कीदवदिध्वदडुडंपभ्रुञ्जियेहठिणीघडे
मैवमकद्युडडपेवदेडहंराटुञ्जिछ्रिड डे
रपएभ्रिभुडीहघमजः पएद्धराडिभुपः
भुडडूहभुरमहुपगम्कुरडडम्हुपममदमा
रेयेमदेम्रुरःभृकमःमडिभुडीडिपएपए
म्हुठमऊंपघञ्जिलगडुम्हद्धराघभुघडि

दं
५
०२३

डेरडेरडह्लगद्भुडलाद्धञ्जिहामिठववकर
डम्हेदञ्जिघामदभृऊपे॰॰घःभुडमिम्हुः
भुडडुभुभृयैहमिडिविमिड्हऊपेम्हुमैवञ्जि
येडिमभुडुः डेरमदेम्रुरपवठगववञ्जिम्रुक
डुडिमिवमा ७० ऽडिमीमदमादठिर
वडुडुविगधिडाघामीम्रुरभृहठिभुभुइविम
ञ्जिहंञ्जियणिकरेकदकरा॰डडुरिऊपा॰
मडअमाञ्जिकमा २ ममुरुम्रुयंञ्जिघाणि
करेञ्जिडीघिविमज्ञः
घंभृष्टमचागमभिडुमभुःपरुदुमहेडिः
हडअडंम डंरीभृदेमाम्हवडडुमिडुरडु,
पमारपरमागमाञ्जिमा मीमद्धदमि
वेदरंभृरम्हेवमणडुकमा घम्डुहडिडडु
रेमहंडंमंमुभः मिवमा पवमणिक
रभुयेरह्लुरञ्जियाभुऊपंविडहरिलीडं
मघदंवडुहंञ्जिघारमविम्रुपम्डवठम

रलक्ष्मे॰इङ्कुंभमरङ्गुरभेव केयडेविम्बेयघगऊ
डिडइठभङ्कुपा॰वल॰हमेडरलक्ष्॰ः पघङ्ग
भेमक्तियडङ्कुपे॰॰॰भक्रू हुतेनद्भिम्हङ्कंभघ
ऋमाडुःभवइहुभडे मङ्गभारमष्टिवं नद्भिघङ्ग
घम्भिडइडइलिङ्ग्रृद्गापिगूक्ष॰॰॰भङ्खवःभुग
भस्तुपगिभ्रूङ्गरकमङ्कूकभक्षेम्बगविभज्ञपर
भङ्गःकिंकिंरपङ्क्षेपिडिडयङ्गभरे॰॰॰पघङ्ग
त्रिरूषंविम्बरमेधीकर॰॰॰डिलङ्कडङ्किम्बि
ङ्गीरूरभङ्गुपघङ्कूङ्खघङ्गभीकर॰ठिर्घ
॰॰त्रिडुपघिडुभम्मदम्बुगभाणिकरंडीय
भरठडे डङ्ग्लिकैकम्मकेर ॰वभङ्गङ्गुजिव
डिजिष्टपिरभुलमुहूहूठेमडउङ्गङ्गेरगाभ
भिङ्कुभिव दिण॰॰ीस्तुमेकैकठभङ्कुघङ्कू
कंम्ज्ञरतुरेभभङ्गुभिडिघङ्गुवङ्गुडं घभूभ
भरणिकर घेगम्पङ्गुभ्रुलक्षू॰वठभर
हुपविमेषपुवकःभभम्भुघंमगीरङ्गुवराघि

१
५
०२२

विठवभुंपारभेम्बुगगाभरभिम्बुंघुङ्गुटङ्गगडं
पुटेकडभुङ्कुगभेयम्नघडीष्टकिकडङ्गुदं
डइणिकरभङ्कडिघेलघन्नुचपङ्गुपुडिदेपं
मेपभंपगङ्खिवडङ्गुभुङ्कुपभेवमम्नायिडभ
प ॰वभडङ्गुपिघ्यडिःङ्गियाकलङ्कभ
रग भङ्गेवडयष्टेंद्वविघङ्गेङ्गरकम॰॰ी
॰वभिडियडःपम्मम्नरेङ्गःकदक॰॰॰ठवेः
गाङ्गङ्कुपरडिम्भुरकषङ्क्षिम्पपपङ्गःकिंडभिङ्गू
प॰वतुडपिरङ्कूरारकमपरभङ्गेरपिवप
षडघठभरङ्कुपे॰॰॰वङ्गुभरःकलङ्कभभहि
पुङ्गिघठिणीघडेडम्हूरभाडरवङ्कुरमाङ्गिव
रवणम्भः डपिडिडम्हृम्द्रेङ्गभविघुङ्गंङ्कुरंङ्गि
घम ङ्कुरंविभन्नङ्गर॰॰ीडंविभन्नामवमाङ्गि
घेडि रमङ्कुरमाङ्गाविपीरम्हङ्गियघेगउडिड
पेडमविघङ्गङ्कुराङ्गियङ्कुपंङ्गियभ्रुरे॰॰॰भक
लङ्कुगमिगाडम्पिभ्रुभंपगमडभपभ्रुङिः

मिवरुष्णुरकम्रुम्रुरकुरकम्रुष्टेयेप भृमिद्ध्रुप
डय भश्न्हविष्णुरुदुउन्हः प्वषगेवभतुष्टेउअ
भभातुष्टम्हुभिउष्टं यम्रुनेके शुन्हविष्णुरुदु
मृपिउठुभष्टेकिंरवा ण्डउडि ३ रभठ्य
तुगभष्टइउठुकुयेमुन्नघडि यँम्रुरवडिरुभे
धीरिभेयेतुःभम्नमिवः यधृकेयम्नप्येल
गउङ्हुइमुरउठुभेवे केयमप्टेरेजं विम्रष्टफि
भ्फएहुंरुरूहभक्केयल्नं रिभेय ल्न्हभ्फस्हुप
यरं म्रुतुळुपडेम्हेम्नरभिउिरिभेषःभम्नमिवउ
हुंघडेल्नगउःप्रलय डउिमुद्धुयंभ्दउःपरभे
मुरभृ यलभृष्टरुळुपळुतुपतुरपउिलट्न:
किञ्जिम्रुन्नरद्धुउयभ्फरम्रुपळुउ परभेम्रुर
भृदिपरभञुउरन्उःमञुयेयभुगभः कमि
तुमञ्जिरुष्टम्रुञुउरमञिरेमीकरंजुवडीविक
एहुम्हुपभृपप्टम्प्रेवयएहुद्धिककवियञु
पेहिल्नीम्रुठुपभ इविष्णुरुपपप्टम्पेवमतुद्धि

रं ५
०२०

क रवंरिभेयेक्रेयमञ्जीरवभम्नमिवेम्रुगे उ
येभ्हुणिकँभ्रुङ्केवउेम्रुपिउवरभे ः म्र
वउम्नणिभ्रुङ्केवउम्रुयगडेकरल्नं विष्टउठु
भाद भभरणिकरष्टंमभद्विष्टुदभि
केणिचेः ५कमभृयम्नभइविमृभल्न
रष्टेम्नपः भ्रुभ्फ५कमउविम ञ्जिलट्न वि
भम्रः भेदभिङ्क्ष्टउे यभ्हुष्टेम्नपःभउम्नभिउि
भमम्रु५कमभइ५रप्टष्टेम्नपिळुपेविम्रष्ट
डिपरभञुउः उइम्हेविभम्रेमिवउठुं द्विडीयेवि
ष्टेमउ भष्टभेतुळुपेदभिम्नभिउिभमएउउल
५एहुयेरयेविभम्रःभभम्नमिवरषरं म्रुर
रुठुरकेयेदभ्हुवभ्हुष्टभल ष्टभल म्रुउेविभे
पः यरउे म्हुदभिउिञ्ज्नभिउिविणेउयेम्र
२भाउरिपम्नवगणिकरल्न हुभदभिउिरद
करउम्नाभिउिमगृहुंउञिरभेरेकम्निरेवणिक
रल्ने घम्रुळुभरं भम्रुहुरम्रुळुप२घरं उम्नडीम्र

भदत्तु क्लिरिवेमविथयद्वभमह्रुडंभुमयडि
ऽ रत्तुमिह्रुपहुमरह्मयधिस्कुर म्भुिग
ह्मडयभवक्लिनिविस्ह्रनपक्लिह्रुपपवेडिभ
वह्लुद्वभचकद्व्र्इक्लिविस्तुष्टुदपद्वेवशृक्लि
इमह्लुद यह्लुरभडस्कुरधिःरमेये
हुडिरेक्लिᳲ भडभमेयःभकुल क्लिकपह्र
कवेध्रुडः भूद्वेस्तुदपद्वयेगःस्कुरये
दह्रुदभिहक्लिनिविमभवेपिमेयडंलह्र
ड(डध दिभडिरमेयभरृभृनील धिहडि
लिक्रुडयरठभेड यवडयःस्कुरधिःरम
डकविडःमयवमेवभ्रुरुपक्रुडिरेकक्लिभ
डेनीलमेरमेयेभड ड वृदेवभ्रुयभपिमेय
कुडप्वभद्वड मेयदिमेयिभनद्वयेवप
लिमिडमिडिडम्भमवेभमेयतुरम्हपपत्रह्र
डिरेकरडेवंधिह्रुपमपगिमिडइडपगिमि
डड्रेभस्कुर्येरहह्रवभ्रुयडुरयेवकलभि

पह्रुकं डध दिकलःह्रुमभप्रुइयह्रुभड
लिविस्ह्रुभ भुमह्रुभरे रमेयेपिर
भडि येप्रभेठवंभकुलेवरुरुविद्टिि
भुलडरडं द्वेवभह्रुं मेरुकपं ह्रुभवत्तुभि
वपरभभ्रुदभगि रमेयेपिक्रुड
धिक्रुपंरुमरुकभयडि भक्रुरमेलर
हविह्रुकिक्लिह्रुरेमीलरुपवक्लिमद
भह्रुरुठवंर्मिनीलभापक्लिविविर(
क्लि कले किक्लिक्रुवेपमलरभयीकदभ
ह्मवयडि किक्लिह्रुरभिकिक्लिक्रुरेभीडि म
इमं मेउन्हेकिक्लिरुकम्द मिदमेवकिक्लि
इइजेक्लिधह्रुपःरमडुभिद्रदमरमेयम
गुरुरेप मयडवरगेष्टरियडेरमडह्रु
ह्लिगडमवेरष्टमेवडक्लिक्रुलेवह्रुमृदिरभ
यंरठवेयपिरगभुठवडेवह्लिणमपुके
पिमह्रुकिधह्रुः भइवकम्दयक्लिधह्रुड

२
५
०५

लउन्तुः विधंद्दभिमगीकर मद्दडीडिड्य
दमिडिवडिः उपभनवडेरेवमन्दघद्दभङ्गुडीमि
वउउडिप्रयेगउ उडिङ्गुन्दयमिङ्गुनवमनिकं
विमेधवम्मिनाइडिडुनिकद्दलद्द मवडि
प्रुरयद्दविरउमिडिमउमिविघवउ उद्दयविघु
वडिविम्मिङ्गुमनयु उपनद्दमंक्कुनङ्कपड
यमस्तुवः मैवपिविमेङ्गुमेनउमचङ्गुनामेभी
इङ्गुमनजउ उउम्नुदनमनयिङ्गीलङ्कुपउम
धप्रुंउयतिमभवःप्रुलयकलाउःपमुवजःय
यउुम प् नकुडिचमयक्रि भजेपिली
ङवयङ्गीमद्दङ्कुपे ञ्चेनवदडिउमउङ्कुवज
मकलभृङ्गोम्भ्रुङ्गेमभनउम नलङ्कु विला
पनमम्हुनम्तेवमद्दिपेविमणडीउमनवडि
विङ्कुनकुलमानद्दमयमिवचुंभमउुदद्धिक
यमभपेन्वेपिविङ्कुनकलाउडिउउःप्रद्दडि
कम्पगलनंप्रवउुडे विलीनेउडेमेमचवेङ्कुनमि

नं ५ ७१२

ङुपउङ्गुङ्कुउकुवावजङ्गुकपेदद्दपनङ्कुपे प्
व्वडिङ्गुनङ्कुप विम्नुङ्गुकपगमिवेमिड उुद्दडी
ङ्गुपाप् प्रवप्रमउप् उपानङ्कुपःमम
नङ्कुपउम्पनङ्कुपेद्दनङ्कुपम्नेडिमभपिकनञ्च
उ विङ्कुनकलम्नुमेमजुम्नुमेवमपेदपा
रंमम्नुमदमिवेम्नुनङ्कुपेयेभविङ्गुमनः पउङ्गु
ङुंठवडि यङ्कुपिउदउम्पडीउयेनद्दप्रिम् न
द्दपालीवरयङ्गुङ्कुनभृमनपपउेभुवपिठेपि
पभंदने उङुेयविम्नुडिप्णद्दयनयेङ्गुम
घिःभापकुःपमिवैमिङ्गुवेगयेकमनभुङ्गुवि
मृङ्गुङ्गुकपामनङ्कुमयङ्गीपम्पेघडेवमधु
भुपिडुमंङ्कुनङ्कुपद्द म्कुपवेङ्गेल्लमम्कुपवेङ्गु
वठमङुपभृठेपभृविङ्कुमनङ्गुभिभापङ्
ल्लापिवैमिङ्गुमिडिदेघडेवेडियङ्गभङ्गुदेया
इयीयमिद्दपि ठगवउम्नुविम्नुमगीभृप्
पानमभनेम्पनङ्गुनङ्कुपडेवमकलगडेल्लम

धमज्ञं उे विसेषभाभ ह्नम्रेज: पूह्नाह्म: पू
डिपृकधभहृभिङ्गुभं वेयनवगभङुपह्ष्टभक्ली
रूडदं पूकभह्म: पूकल्प विकल्पनीघ: पूडि
पूल्भिञ्जवभरनभारे विकिवकि: मंह्गुकि:
प्रिघेघंमङ्गायभिह्पिककिह्वराविसेषन
भारे उउङ्गिमिङ्भुपरु: पह्पघञ्जकि: भ्न
उङ्कृदुल्भकुल्पनेटुङ्ग्यविकल्पघेग
पञ्जुङ्गंठवडि रंभुवङ्भविकल्पङ्कडभङुरे
मुङुविभक्षविपयीरूहृभङ: पमिभुद्देहृपेप
नदेवकिनिविकल्पेभभङुष्ठभेभ्वगठवङ्गिभं
भाविकदनष्पनप्पिह्वपरेपघेगापिडि नङ्ग
विकल्पवेघवनेवगभुवनेवविकल्पवे उङ्के
विसेष: पूमेयभ्यपडिपमुङुपडयं उमूडे ड
भ्रेडिपमुकङुकुभ्किभुषभगरभीमुरभ्नूं
रभ्पविवङ्गिरी भ्यडनवडभीम्वरभ्किभ्यपली
वङ्गी भ्वभणरभीपूडिपूभज्यनियड उङ्खव

रं
५
७

उदंह्नुमिडिघेरभ्खुंउङ्गैवडष्परहृष्ट र
नुयप्पिपमिरपिभ्क्षिमङ्गिरभ्डिउद्गीम्वगव
भहृभीम्वरवभे नङ्वेवंभणरु ह्रुकभ्भङ्ग
भुङ्गठवडि ठवेङ्गुप्पिभ्वमङ्गिंपरिल्नीघउ घ
वउभउभ्पृपरिल्लुडपरवमभ्हृवभडे विकल्प
ङ्गिघ विकल्पनमङ्गिरुपेडि ननकेरभउङ्गेङ्ग
पूडे भ्वप रंभुवभ्हृपरभक्षुपडघमङ्गरामि
लष्क भूघमङ्गि: भ्वङुपविमृङ्गिलष्क पप
भेभ्वदेपरेणपूयेलरङ्गभ्नप्पियेवडमरुभघी
डैभुकुकरप्पिवरूवैमिङ्गविमिङ्गडघघभे
विकल्पङ्गिघडभ्हृपमेरकेहरिङुहुठवभ्व
हुलडेरमिङ्भयंमङ्गरघभिह्प्पिवरूवैपि
ङ्गनविमृङ्गडघ विकल्पनङ्गिघघडष्पह्नरंभु
रभ्वठवहृवपमेरभाणरभीभ्खिं: पह्नय
ङुम्वडचङ्गेपभीरठभिणवह्नीहपिविभिमुड
घंविकल्पभ्क्षिभुरठभपीम्वरभ्ष्पनेवं

पलीवञीति [illegible]
पलीविवी[illegible] ॰ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] विकल्प[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] विकल्प[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] विकल्प[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible] विकल्प[illegible]
[illegible] विकल्प[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] विकल्प[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
विकल्प[illegible]
[illegible] विकल्प[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ल्पीवम्रुज्ञिविक्ठतिघेगमष्टाङ्गिपेडीम्रुर५ड्रुठि
ङ्कुरमङ्वष्टुपेढ्ल्ीघं रङ्गृम५विरत्ति
भर्गाज्ञियप५ङ्गुठिङ्कुवेरविरपम्ष्ठुमतिङड्
म्ष्टेतिङ्गैउम्रुपलङ्घुमिटमङ्कुद ङैभुर
ङ्गुपघमिडेमपरउम्तुङ्गुःफ्रिउङ्गतिकेकुतुले
कमभरारवभपमिङ्कुडेररनुघष लेकङ्गेप
उषरवेक्रिउगु:भुङ्गपिविम्रुम्रुरैवलं
निएवैरुवघउमियंउङ्गृष्टिङ्कुमिड
घषरघकगु'भेम्रव''२रुङ्गुङ्गग़क
मिरीउङ्गम्रुरमेवपरमभपाड्घमकङ्कुङ्गीपि
वतिमभवमहुम्पघष्टेवडेपघमिडरिम्रुङी
भेरेषासीतिभम्पलेपकम्रुरकम्रुवमुनि
वेम्नमिक्षुवाविरकुमीठवम्रुङ्गुलतिक
ङ्किमुतिउम्उम्पयमिउवमम्मक्तिउमेवभ
विएवङ्गितिरिषिघडमेवलेकिडेङैम्रुरुङ्कुवतिमे
धैःपमिम्रुपरवीभणिगमुङ्किलमभणर'उ

मधिडेभदङ्गमपिडङ्गियउभवलेकोरहुम
यंप्रूलीकितिउषभुङ्गतिविम्रुम्रुवेमउङिष्ठ
मभनेपिङङ्गिठभनंरहम्पघम्रुप्रूडभ०ङ्गेघ
ङःभेपिम्रुङ्गविम्रुल्कुङ्गकङ्गुङ्गतिदङ्गुमङ्गि
लङ्ग्र'पारभेम्रुदेङ्कुङ्गघिगेररपरभुङतिठ
मभरभदमिउत्तुरुङरुङः घपउङ्गुडीरम
रम्रुउल्लुर्सहिङ्कुरङ्गेपघतुरम्रुङरङ्कृ
कुम्पघङ्कुभीकर'रभमति उम्उङ्गु'मङ्कुङ
कुल्लरघेरेवउवङ्कुभपिपुरुडमहेति परिठि
कुष्टुभरभेउविम्रुङ्गुरुरङ्गपलठडे उम्रुम
ङ्गतिउदवभरङ्कुरहियलकु'मङ्कुठिङ्कुर
डेवघपपारभेम्रुदेङ्कुङ्गुष्टुपघङ्कुभीठवेरघडे
उम्उङ्गु'भेवप्रूडङ्किकलीवमुङ्गिः भभवे
मङ्गुभरभेउविङ्कुतिलठङतिउम्प्रुङ्गिङ्कुव
पपारमिङ्कि५म्घिरीठवडि ७१ मवेपक
रकंभपकलमिर्गमभुपमिङ्कुङ्गघघिगेरर

ं
५
७१२

173

ਸੇਵ੍ਹਾਨਿਯਤ੍ਰੁਃ ॥ਓਤੀ ਸ੍ਰਗਖਤ

ਲਿਖੂਅਮਾਧੋ ਤਿਸਿਵਮੀ ॥ ।।।

ਰੋ

ਪ

੭੧੮

NATIONAL MISSION FOR MANUSCRIPTS
MANUS DATA

DSO 00001 7672

Record No.	Organization / Individual 7672

Name of the Institution	Oriental Research Library University Campus, Hazaratbal, Srinagar.	Communication Address	Department of Libraries and Research Municipal Complex, Karanagar, Srinagar.
Personal Collection			

Title of the Text: Is'varapratyābhijñā vimars'ni	Bundle No:.................. Acc. No./Manuscript No. 2331
Other Title	
Author: Abhinavagupta	No. of Folios 173 178 .... Pages 346
Commentary: NO	Size of Mss. 23.2cm x 16.9cm
	Material: Paper/palm leaf/birch-bark/cloth/leather/others
Commentator: NO	Missing portion NO
Language: Samskrit	Illustrations No
	Complete/Incomplete
Script: S'ārdā	Condition: Good/bad/brittle/worm eaten.Fungus/Stuck
Date of Manuscript	Source of Catalogue: Descriptive/Hand list/Alphabetical/Index card
Key words: Dars'ana	Colour of Manuscripts: CREAM.
Subject: Saivisma	Remarks: loose Bound.